मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 9 मई 2025

संवत 2082, वैशाख शुक्ल 11 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 244 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्या

दा केरल स्टोरी को दो साल पूरे,अदा शर्मा ने कहा ◂◂ 6

भारत की पाकिस्तान पर दोहरी मार

जैश के 7 आतंकी ढेर, सांबा में घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा में लगातार मुस्तैद है और पाकिस्तान के हर नापाक मंसूबे को ध्वस्त कर रहा है। बीती रात पाकिस्तान द्वारा भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों पर किए गए हवाई हमलों की कोशिशों को सफलतापूर्वक नाकाम करने के बाद, सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर में एक बड़ी घुसपैठ की कोशिश को विफल करते हुए जैश-ए-मोहम्मद के सात आतंकवादियों को मार गिराया है। सुरक्षा एजेंसियों से मिली जानकारी के अनुसार, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सांबा सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से हो रही घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान बीएसएफ के जवानों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीमा पार से भारतीय क्षेत्र में घुसने का प्रयास कर रहे सात घुसपैठियों को ढेर कर दिया। सूत्रों

ने बताया है कि मारे गए घुसपैठिए प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हुए थे। पाकिस्तान की ओर से यह घुसपैठ की कोशिश ऐसे समय में की गई, जब भारतीय सेना ने जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर मौजूद अपने सैन्य प्रतिष्ठानों पर पाकिस्तान सेना द्वारा किए गए ड्रोन और अन्य हथियारों से हमलों के प्रयास को विफल कर दिया था। भारतीय सेना के बयान के मुताबिक, 8 और 9 मई 2025 की दरमियानी रात को पाकिस्तान की सेना ने पश्चिमी सीमा पर एक साथ कई दिशाओं से हमले की कोशिश की थी। पाकिस्तान ने ड्रोन और अन्य युद्धक सामग्रियों का इस्तेमाल कर भारतीय सीमाओं को निशाना बनाने का प्रयास किया। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भी कई बार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। सेना ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तान के सभी ड्रोन हमलों को सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया और सीमा पार से हुई गोलीबारी व संघर्ष विराम उल्लंघनों का मुंहतोड़ जवाब दिया गया। सेना ने अपने बयान में दृढ़ता से कहा है कि भारतीय सीमाओं की रक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा और पाकिस्तान के किसी भी नापाक मंसूबे या दुस्साहस को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि आतंक के खिलाफ भारत द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। गुरुवार को पाकिस्तान ने इसी बौखलाहट में जम्मू-कश्मीर से लेकर राजस्थान के जैसलमेर तक भारत के लगभग 15 शहरों और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय सेना की तत्परता और प्रभावी कार्रवाई ने पाकिस्तान के इन सभी हमलों को नाकाम कर दिया था।

चंडीगढ़ में ड्रोन हमले को लेकर अलर्ट, बज रहे सायरन, शिक्षण संस्थानों में छुट्टियां

एजेंसी

चंडीगढ़: भारत और पाकिस्तान में जारी तनातनी के बीच चंडीगढ़ में शुक्रवार सुबह फिर एयर रेड वार्निंग सायरन बजने शुरू हो गए हैं। वायुसेना स्टेशन से संभावित ड्रोन हमले की हवाई चेतावनी मिली है। इस संबंधी चंडीगढ़ के डिप्टी कमिश्नर नीतीश कुमार यादव ने सभी को घर के अंदर रहने और बालकनी से दूर रहने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है यहां के लोगों को डरने की आवश्यकता नहीं है उन्होंने सभी को हथियात बताने की भी सलाह दी। जैसे ही चंडीगढ़ में चेतावनी सायरन बजे तो सेक्टर 17, 22 और 35 की मार्केट बंद हो गई और लोग अपने-अपने घरों और सुरक्षित टिकानों पर जाते नजर आए ।

उधर सुरक्षा मद्देनजर पुलिस अधिकारियों ने चंडीगढ़ के सेक्टर-31 थाने के अंतर्गत एक और चौकी बना दी है। यह चौकी एयरपोर्ट के पास बहलाना में बनाई गई है। इसमें औद्योगिक क्षेत्र थाने से सब इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार को चौकी इंचार्ज लगाया गया है। इसके अलावा दो एएसआई और 15 सिपाहियों को बहलाना चौकी में तैनात किया गया है। इसमें सेक्टर-17 थाने से एएसआई सुरजीत सिंह, जिला सेल से एएसआई (एलआर) अवतार सिंह, सेक्टर -17 थाने से सिपाही सुरिंदर पाल, सेक्टर- 3 थाने से संजीव कुमार, सेक्टर-39 थाने से अमित कुमार, इंडस्ट्रियल एरिया थाने से मस्कान, मिनाक्सी और राजीव, सेक्टर-36 थाने से सिपाही संदीप कुमार, सेक्टर-31 थाने से लविश, हल्लोमाजरा चौकी से अनिल, सेक्टर 34 थाने से मनीश, प्रिती और संजय, सेक्टर 43 बस स्टैंड चौकी से कमलजीत कौर, बापूधाम चौकी से रितू बाला, मौलीजागरां थाने से हरभजन कौर को लगाया गया है। पंजाब में देर रात हमले की कोशिशों के बाद मान सरकार एक्शन मोड में आ गई है। आज मंत्री इमरजेंसी सर्विस को रिव्यू करेंगे। मंत्री अस्पताल, फायर स्टेशन, राशन की उपलब्धता और इमरजेंसी सर्विस का निरीक्षण करेंगे। कैबिनेट मंत्री बॉर्डर से लगे जिलों में पहुंचेंगे। कैबिनेट मीटिंग के तुरंत बाद 10 मंत्री बॉर्डर क्षेत्रों के लिए रवाना होंगे। मंत्री लालचंद कटारूचक्क और डॉ। रवजोत सिंह गुरदासपुर जाएंगे। मंत्री कुलदीप धालीवाल और मोहिंदर भगत अमृतसर में और मंत्री लालजीत भुल्लर और हरभजन सिंह ईटीओ तरनतारन पहुंचेंगे। मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और हरदीप मुंडियां फिरोजपुर देखेंगे। फाजिल्का की व्यवस्था मंत्री डॉ। बलजीत कौर और तरुणप्रीत सोंध देखेंगे। अगले 2 दिन छुट्टी: मौजूदा हालातो के दौरान चंडीगढ़ प्रशासन ने शहर के सभी शिक्षण संस्थानों में अगले दो दिन के लिए छुट्टी का ऐलान कर रखा है।

हमारी मदद करो, भारत से तनाव के बीच भीख मांगने लगा पाकिस्तान

- अब आईएमएफ से की ज्यादा लोन देने की अपील

एजेंसी

इस्लामाबाद : भारत के जवाबी हमले के बाद पाकिस्तान में खलबली मच गई है। एक तरफ जहां पाकिस्तान आंतरिक रूप से दहशत में है, वहीं दूसरी ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आर्थिक मदद की गुहार लगा रहा है। पाकिस्तान सरकार के आर्थिक सलाहकार विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट जारी कर विश्व बैंक सहित तमाम अंतरराष्ट्रीय साझेदारों से आर्थिक सहायता की अपील की है। पोस्ट में कहा गया है, हम युद्ध जैसे हालात और शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मदद की अपील करते हैं। साथ ही, देशवासियों से संयम और एकजुटता बनाए रखने की भी अपील की गई है। पाकिस्तान ने आर्थिक तंगी से उबरने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से एक और राहत पैकेज की मांग की है। आज इस सिलसिले में आईएमएफ की एक अहम बैठक होनी है, जिसमें भारत भी सदस्य देश होने के नाते भाग

लेगा। भारत इस मंच का उपयोग पाकिस्तान के आतंकवाद के चेहरे को उजागर करने के लिए कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक, भारत बैठक में यह जोरदार तरीके से उठाएगा कि पाकिस्तान को किसी भी प्रकार की आर्थिक मदद देना वैश्विक आतंकवाद को अप्रत्यक्ष समर्थन देने जैसा होगा। हालांकि, अमेरिका और चीन जैसे आईएमएफ के बड़े हिस्सेदार देशों की तरफ से इस प्रस्ताव को लेकर फिलहाल विरोध की संभावना कम है, जिससे पाकिस्तान को राहत मिलने की संभावनाएं बनी हुई हैं। गौरतलब है कि भारत ने 7 मई को पहलगाम आतंकी हमले का कड़ा जवाब दिया था। इसके बाद पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता और बढ़ गई है। मौजूदा हालातों में पाकिस्तान न सिर्फ कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ रहा है, बल्कि उसकी आर्थिक रीढ़ भी चरमराने लगी है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति का बड़ा बयान

न्यूक्लियर वॉर में बदल जाएगा भारत-पाकिस्तान युद्ध!

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार बढ़ता तनाव अब सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है– यह वैश्विक चिंता का कारण बन चुका है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत द्वारा आतंक के खिलाफ की गई सर्जिकल प्रतिक्रिया के बाद सीमा पर हालात बेहद संवेदनशील हो गए हैं। गुरुवार और शुक्रवार की रात दोनों देशों के बीच जबरदस्त सैन्य तनाव देखने को मिला। इसी बीच अमेरिका ने पहली बार इस पूरे घटनाक्रम को लेकर सार्वजनिक रूप से चिंता जताई है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक इंटरव्यू में साफ कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच की मौजूदा स्थिति अगर नियंत्रित नहीं हुई, तो यह परमाणु युद्ध की ओर भी बढ़ सकती है–जो पूरी दुनिया के लिए भयावह परिणाम लेकर आ सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस युद्ध में पक्षकार नहीं बनेगा, लेकिन वह दोनों देशों को कूटनीतिक रूप से शांति की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहेगा। हम

चाहें भी तो भारत को रुकने या पाकिस्तान को हथियार डालने के लिए मजबूर नहीं कर सकते, वेंस ने कहा। उन्होंने आगाह किया कि जब दो परमाणु शक्ति संपन्न देश आमने-सामने होते हैं, तो किसी भी क्षण हालात नियंत्रण से बाहर जा सकते हैं। इस बीच अमेरिकी विदेश विभाग ने भी सक्रियता दिखाई है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के बीच बातचीत हुई है, जिसमें तनाव को कम करने और क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने पर जोर दिया गया। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि अमेरिका दोनों देशों से लगातार संपर्क में है और अपने स्तर पर यह सुनिश्चित कर रहा है कि मामला और गंभीर न हो। उन्होंने पहलगाम हमले को लेकर गहरी संवेदना व्यक्त की और स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत के कदमों को अमेरिका गंभीरता से देख रहा है। अगर युद्ध हुआ, तो यह विनाशकारी होगा, उपराष्ट्रपति वेंस ने दो टूक कहा। उन्होंने दोनों देशों से संयम बरतने और परमाणु टकराव की ओर बढ़ने से पहले ठोस सोच-विचार की अपील की।

भारत- पाक युद्धः पाकिस्तान को चीन ने दिया झटका

हम आतंकवाद के खिलाफ : लिन जियान

नई दिल्ली: भारत-पाकिस्तान तनाव पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, हमने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही स्थिति पर चीन की स्थिति साझा की। चीन मौजूदा घटनाक्रमों से चिंतित है। भारत और पाकिस्तान एक दूसरे के पड़ोसी हैं और हमेशा रहेंगे। वे दोनों चीन के पड़ोसी भी हैं। चीन सभी तरह के आतंकवाद का विरोध करता है। हम दोनों पक्षों से शांति और स्थिरता के हित में काम करने, संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने की अपील करते हैं। लिन जियान ने कहा कि हम ऐसी कार्रवाई करने से बचने का आग्रह करते हैं जो स्थिति को और जटिल बना सकती है। हम मौजूदा तनाव को कम करना चाहते हैं। बाकी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ हम इस तनाव को कम करने के लिए आगे आना चाहते हैं।

बगलिहार के बाद अब भारत ने सलाल डैम के भी कई गेट खोले, चिनाब नदी से छोड़ा गया पानी

एजेंसी

श्रीनगर : भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। भारत ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर बने बगलिहार डैम के बाद अब सलाल डैम के भी कई गेट खोल दिए हैं, जिससे नदी में पानी का बहाव एक बार फिर शुरू हो गया है। इस घटनाक्रम से जुड़े वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें डैम से पानी का तेज बहाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को जाने वाले पानी को रोकने का फैसला किया था। इसके तहत सबसे पहले सिंधु नदी पर बने डैम और फिर चिनाब नदी पर बने बगलिहार और सलाल डैम को बंद कर दिया गया था। हालांकि, बीते दिनों जम्मू-कश्मीर में हुई भारी बारिश के चलते इन डैमों में जलस्तर काफी बढ़ गया, जिससे प्रबंधन को गेट खोलने के लिए मजबूर होना पड़ा। रामबन जिले में स्थित बगलिहार हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट के दो गेट और रियासी में स्थित सलाल डैम के तीन गेट शुक्रवार को खोले गए। इसके बाद चिनाब नदी में पानी का बहाव फिर से सामान्य हो गया है, जिससे कई दिनों से नदी में मौजूद सूखे की स्थिति समाप्त हो गई। गौरतलब है कि भारत ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए इसका उल्लंघन किए जाने का संकेत दिया था। यह संधि वर्ष 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान के बीच हस्ताक्षरित हुई थी। यह अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच सहयोग का एक दुर्लभ उदाहरण मानी जाती रही है।

भारत-पाक टकराव के बीच शेयर बाजार में मचा कोहराम

निवेशकों को 8.30 लाख करोड़ का नुकसान, सेंसेक्स-निफ्टी में भारी गिरावट

एजेंसी

मुंबई : भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब देश की अर्थव्यवस्था पर भी साफ नजर आने लगा है। शुक्रवार को शेयर बाजार खुलते ही निवेशकों को बड़ा झटका लगा, और महज कुछ घंटों में उनका करीब 8।30 लाख करोड़ रुपये डूब गया। गुरुवार को बाजार में गिरावट के साथ बंद होने के बाद यह खबर आई कि पाकिस्तान ने भारत के कुछ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की है। इसके चलते निवेशकों के बीच डर और अनिश्चितता का माहौल बन गया, जिसका असर शुक्रवार को बाजार की चाल पर स्पष्ट रूप से देखने को मिला। घरेलू शेयर बाजार

शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 1,366।47 अंकों की गिरावट के साथ 78,968।34 पर आ गया। वहीं, बीएसई का कुल मार्केट कैप घटकर 4,10,19,886।37 करोड़ रुपये रह गया, जो एक दिन पहले 4,18,50,596।04 करोड़ रुपये था। इसका मतलब है कि निवेशकों को एक ही दिन में 8,30,709।67 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। आज बाजार में कोई भी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में नहीं है। स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स में लिस्टेड 30 में से केवल तीन स्टॉक्स - टाइटन, एलएंडटी और टाटा मोटर्स - ही हरे निशान में दिखे। बाकी सभी शेयरों में गिरावट रही, जिनमें सबसे अधिक गिरावट पावरग्रिड, एचसीएल टेक और एटर्नल में देखने को मिली। बीएसई पर कुल 2,739 शेयरों की ट्रेडिंग हुई, जिसमें 2,258 शेयरों में गिरावट और केवल 413 शेयरों में तेजी दर्ज की गई। वहीं, 68 शेयरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया। 14 शेयर अपने एक साल के उच्चतम स्तर, जबकि 108 शेयर न्यूनतम स्तर पर पहुंच गए। इसके अलावा 33 शेयर अपर सर्किट और 79 लोअर सर्किट में बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारत-पाक के बीच जारी तनाव और वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के चलते आने वाले दिनों में भी अस्थिरता बनी रह सकती है। निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

भारत- पाक तनाव के बीच आईपीएल पर बड़ा फैसला

आईपीएल 2025 अनिश्चित काल के लिए स्थगित, बीसीसीआई ने जारी किया बयान

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब क्रिकेट की दुनिया पर भी पड़ गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार, 9 मई को पुष्टि की कि इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल2025) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह फैसला देश की सुरक्षा स्थिति और खिलाड़ियों, स्टाफ तथा दर्शकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बीते कुछ दिनों में पाकिस्तान की ओर से जम्मू, पठानकोट और अन्य सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन हमलों के बाद हालात और ज्यादा

गंभीर हो गए थे। इसका असर सीधे तौर पर आईपीएल पर भी पड़ा। धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चल रहा मैच ब्लैकआउट और सुरक्षा चिंताओं के कारण बीच में ही रद्द कर दिया गया था। 8 मई तक टूर्नामेंट निर्णायक चरण में पहुंच चुका था। फाइनल 25 मई को होना है, लेकिन हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) स्टेडियम में गुरुवार रात हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद हुआ है, जहां पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द कर दिया गया था। दर्शकों को मैच रद्द होने की सूचना दी गई और परिसर खाली करने को कहा गया, जबकि दोनों टीमों को वापस उनके होटल ले जाया गया। इसके तुरंत बाद, पंजाब किंग्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए पोस्ट किया, मैच रद्द कर दिया गया है। मैच रद्द होने के बाद, प्रशंसक पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए स्टेडियम से बाहर निकलते देखे गए।

न्यूज ब्रीफ

पीएम आवास के ग्राम सभा की बैठक में नियमों के उल्लंघन का आरोप

चतराः हंटरगंज प्रखण्ड उप प्रमुख राहुल कुमार गुप्ता ने हंटरगंज प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को लिखित शिकायत देकर हंटरगंज प्रखण्ड कार्यालय के ज्ञापंक - 615 दिनांक 03/05/2025 के द्वारा दिनांक 07/05/2025 को जोरी कला पंचायत सचिवालय में पीएम आवास योजना हेतू योग्य आयोग्य लाभुको को चयन हेतु ग्राम सभा की बैठक बुलाने के बारे में नियमों की उल्लंघन का आरोप लगाया है। शिकायत में कहा गया है कि केवल एक दो ग्रामीणों के राय मशविरा से मनमाने तरीके से सूची में अंकित लगभग लोगों को आयोग्य लाभुक को योग्य ठहरा दिया गया और पंचायत में इसका उल्लंघन किया गया है। वर्तमान में ग्राम सभा की बैठक 07 मई को बुलाई गई थी। उक्त बैठक में ना ही जनप्रतिनिधि पहुंचे ना ही कोई ग्रामीण उपस्थित हुए। जिसके बाबजूद 20-25 लोगों को बैठाकर ग्राम सभा का कोरम पूरा कर लिया गया। उपप्रमुख ने आगे आरोप लगाया है कि ग्रामीणों के द्वारा 10- 15 लोगो का फर्जी हस्ताक्षर भी कर दिया गया एवं वार्ड सदस्य की अनुपस्थिति के बावजूद उनका हस्ताक्षर बना दिया गया। जो फोटो वीडियो एवं पंजी में किए गए हस्ताक्षर से स्पष्ट किया जा सकता है। इसलिए उनकी मांग है कि 07 मई को निर्धारित की गई बैठक को स्थगित किया जाए तथा नियमों के अनुसार इसके लिए आगामी तारीख निर्धारित की जाए।

फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र बनाने मामले में पंचायत सचिव व कंप्यूटर ऑपरेटर पर केस दर्ज

चतरा : प्रतापपुर प्रखंड में अवैध तरीके से फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र बनाने मामले में पंचायत सचिव व ऑपरेटर पर प्रतापपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। यह प्रथामिक प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिषेक पांडे के लिखित आवेदन पर बभने व जोगियारा के पंचायत सचिव अक्षयवट चौबे,रामपुर के पंचायत सचिव जयनंन्दन सिंह एवं ऑपरेटर अमित कुमार सिन्हा पर किया गया है। आवेदन में बीडीओ ने लिखा है पंचायत सचिव एवं ऑपरेटर की मिली भगत से दुसरे जिले के अवैध तरीके से फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र बनाया गया था। शिकायत प्राप्त होने के बाद उक्त मामले की जांच की गई। जांच में गलत पाये जाने के बाद अनुमंडल पदाधिकारी के निर्देश पर गुरूवार को प्रतापपुर में लिखित आवेदन देकर प्राथमिक दर्ज कराया गया।थाना प्रभारी ने बताया कि बीडीओ के लिखित आवेदन के बाद प्रतापपुर थाना कांड संख्या 41/25 में पंचायत सचिव अक्षयवट चौबे,जयनंन्दन सिंह व कंप्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार सिन्हा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है।मालूम हो कि प्रखंड के बभने,जोगियारा व रामपुर पंचायत में भारी पैमाने पर बिना दास्तावेज के ही अवैध तरीक से फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र बनाया गया है।फर्जी जन्म-प्रमाण बनाने का मामला राज्य में तुल पकड़ लिया था। उपायुक्त रमेश घोलप ने उक्त मामले को अपने संज्ञान में लेकर जांच टीम बनाकर जांच किया। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि बभने पंचायत में 4431,जोगियारा पंचायत में 5047 एवं रामपुर पंचायत में 6357 फर्जी प्रमाण पत्र बनाए गए। इसका कुल संख्या 15835 है। झारखंड के जामताडा, साहेबगंज, खुटी, देवघर, धनबाद, गिरीडीह, राजस्थान के कोटा समेत अन्य जिला के लोगो को फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र बनाया गया।बीडीओ अभिषेक पांडे से जानकारी लेने पर बताया कि फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र सिर्फ पंचायत सचिव के लॉग-ईन से बनाया जाता है। जबकि बिना दास्तावेज के ही फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र बनाया गया है।

प्राथमिक दर्ज होने के बाद पंचायत सचिव गायब,नही पहुंचे कार्यालयः फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र बनाने मामले में प्राथमिक दर्ज होने के बाद पंचायत सचिव अक्षयवट चौबे एवं जयनंन्दन सिंह गुरूवार को अपने काम पर नही आये। पंचायत का कार्य प्रभावित नही हो इसको देखते हुए बीडीओ ने बभने,जोगियारा व रामपुर पंचायत में नये पंचायत सचिव का कार्यभार संभालने का पत्र निर्गत कर दिया है।

कस्तूरबा विद्यालय में प्रखंड स्तरीय प्रथम कैरम टैलेंट प्रतियोगिता का आयोजन

गिद्धौर(चतरा): कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में प्रखंड स्तरीय प्रथम कैरम टैलेंट प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को किया गया।प्रतियोगिता कार्यक्रम में उपस्थित बीपीओ नीरज सिंह,खेल शिक्षक दीपक कुमार,प्रेमचंद दास समेत अन्य को विद्यालय छात्राओं ने झारखंडी नृत्य प्रस्तुत कर स्वागत किया।इस दौरान अंडर 17 और अंडर 19 वर्षीय बालक बालिका का प्रथम टैलेंट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ।इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से 60 बालक बालिका भाग लिया। बालक अंडर 17 डबल प्रतियोगिता में गंगा स्मारक पल्स टू विद्यालय के आर्यन राज,सुमित कुमार प्रथम,दुआरी उच्च विद्यालय के प्रमोद कुमार रजक,आर्यन कुमार साव द्वितीय, पिंडारकोण उच्च विद्यालय के अभय कुमार यादव,शिशु पाल राणा तृतीय स्थान प्राप्त किया।वहीं अंडर 17 बालिका डबल प्रतियोगिता में दुआरी विद्यालय के पिंकी यादव, लक्ष्मी रानी प्रथम,कस्तूरबा विद्यालय के प्रेम शिला नाग, सुशील टूटी द्वितीय,पिंडारकोण विद्यालय के पुष्पा कुमारी,निशु कुमारी तृतीय,जबकि अंडर 19 बालिका डबल में दुआरी विद्यालय के नेहा कुमारी,नैना यादव प्रथम,कस्तूरबा विद्यालय के आकृति कुमारी,सोनम कुमारी द्वितीय एवं अंडर 19 बालक डबल में प्लस टू गंगा स्मारक विद्यालय के अंकित कुमार, सचिन पांडेय प्रथम,दुआरी विद्यालय के सूरज कुमार,अमित पासवान द्वितीय,अंडर 17 बालिका सिंगल में गंगा स्मारक पल्स टू उच्च विद्यालय के सुमन कुमारी प्रथम,बारिसाखी उच्च विद्यालय के मुनमुन कुमारी द्वितीय,कस्तूरबा विद्यालय के निकिता हस्सा तृतीय,अंडर 17 बालक सिंगल में गंगा स्मारक पल्स टू विद्यालय के रंजन कुमार दांगी प्रथम,दुआरी विद्यालय के पवन कुमार गुप्ता द्वितीय, पिंडारकोण विद्यालय के पियूष रविदास तृतीय स्थान प्राप्त किया।प्रतियोगिता में सफल बालक व बालिका को मेडल के साथ साथ प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया।बताया गया कि प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता के बाद चयनित बालक बालिकाओं को जिला में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।मौके पर विद्यालय वार्डन बिंदु पोद्दार,सीआरपी राज कुमार राजू,शिक्षक सुबोध कुमार, विक्रम कुमार,वीरेंद्र तिर्की शिक्षिका मंजू कुमारी समेत अन्य मौजूद थे।

एक और अफीम तस्कर भेजा गया जेल

गिद्धौर (चतरा): अफीम तस्करी मामले में पुलिस ने गुरुवार को एक और तस्कर को जेल भेज दिया।जेल भेजा गया तस्कर गिद्धौर के स्व.त्रिभुवन दांगी का पुत्र किशोर दांगी है।बताया गया कि तस्कर गिद्धौर थाना कांड संख्या 31/2025 का नामजद अभियुक्त है।

वृद्ध महिला को जलाया, गंभीर

मुरी : बीती रात वृद्ध महिला शारदा देवी को अज्ञात लोगों ने तेल डालकर जला दिया। पहले सिंगपुर नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया,वहीं से बाद में रिम्स रेफर किया गया।घर के परिवार के सदस्य ने बताया कि नानी शारदा देवी के कमरा बाहर से बंद कर दिया, बाकी अन्य सदस्यों के कमरे को भी बाहर से बंद कर दिया गया सिर्फ जीजा का कमरा बाहर से बंद नहीं था। नानी के कमरे का छत का एसवेस्टस सीट को तोड़ कर घुसा और पेट्रोल डालकर जला दिया। नानी का हाथ पैर पीठ और चेहरा जला हुआ था। मेरे जीजा ने नजदीक के अस्पताल पहुंचाया। ऐसा धटना साल भर पहले भी हुआ था पर उस समय बच गई थी। धटना बीती रात साढ़े बारह बजे के आसपास हुआ। पुलिस सूचना के बीस मिनट बाद स्थानीय अस्पताल पहुंची।

हेमंत सरकार ने सरकारी कर्मचारियों-पेंशनधारियों को दिया तोहफा

2 प्रतिशत बढ़ाया डीए, 34 प्रस्तावों पर लगी मुहर

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में बुलाई गई कैबिनेट बैठक समाप्त हो चुकी है। आज के कैबिनेट में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए जो कि झारखंड के विकास में एक अहम भूमिका निभाएंगे। उनमें से अहम फैसला है कि हेमंत सरकार ने राज्य के लगभग तीन लाख से अधिक सरकारी कर्मियों और पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता (डीए) दो प्रतिशत बढ़ाया है। यह मांग लंबे समय से उठ रही थी, जिसके लिए आज प्रस्ताव लाई गई है। वहीं कई जनकल्याण योजनाओं को भी जगह दी गई है। उग्रवादियों एवम अन्य अपराधियों के लिए पुरस्कार राशि रखी गई है जो कि पांच कैटेगरीज के अनुसार होंगे।

बता दें कि अधिकतम 20 लाख से 30 लाख रुपए तक पुरस्कार राशि है, जिसमें दर्ज कांडों की राशि 20 होनी चाहिए और न्यूनतम ग्रेड ई में जिसमें दर्ज कांडों की न्यूनतम संख्या 3 होनी चाहिए और 2 लाख रुपए पुरस्कार राशि होंगे। महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है मुख्यमंत्री डिजिटल हेल्थ योजना राज्य में लागू करने के लिए 299 करोड़ 30 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है, जोकि राज्य के स्वास्थ्य व्यवस्था को कई हद तक सुधारने का कार्य करेगी। झारखंड फार्मासिस्ट नियमावली 2025 के गठन को लेकर भी प्रस्ताव लाई गई यह एक विवाद का कारण बना हुआ था। फामेर्सी प्रैक्टिस रेगुलेशंस लागू करने की मांग लगातार उठते आ रही थी। अब इस प्रस्ताव के जरिए सरकार द्वारा विवाद को खत्म करने की कोशिश की जाएगी।

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि अब वीर बुधु भगत विवि कहलाएगीः हेमंत सरकार द्वारा बुलाई गई कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए, लेकिन युवाओं में सबसे चर्चा का विषय बना हुआ है। राजधानी रांची स्थित डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय। दरअसल पिछले कई वर्षों से विभिन्न छात्र संगठन विश्वविद्यालय के नाम को लेकर आंदोलनरत थे, उनकी मांग थी रांची के इस विश्वविद्यालय का नाम राज्य के किसी अग्रणी स्वतंत्रता सेनानी के ऊपर हो। अंततः आज कैबिनेट बैठक के दौरान इस पर फैसला ले लिया गया है। अब डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय अब वीर बुधु भगत विश्वविद्यालय के नाम से जानी जाएगी।

इन प्रस्तावों पर मोहर लगाई गई

- उग्रवादियों एवं अपराधियों के लिए पुरस्कार राशि का प्रावधान किया गया।
- झारखंड ग्रामीण पेयजल आपूर्ति संचालन एवं पोषित नीति को मंजूरी दी गई।
- महिलाओं के लिए 7 नए वन स्टॉप सेंटरों को मंजूरी मिली।
- पीएम जन मन योजना के तहत 275 आंगनबाड़ियों के संचालन एवं निर्माण को स्वीकृति दी गई।
- राज्यकर्मियों का महंगाई भत्ता 2 प्रतिशत बढ़ाया गया।
- पेंशनधारियों के महंगाई भत्ते में भी वृद्धि की गई।
- दो आश्रम विद्यालयों के निर्माण को स्वीकृति दी गई।
- रिम्स के सरकारी सहायक प्राध्यापकों को प्रमोशन के लिए छाया पद की मंजूरी दी गई।
- झारखंड फार्मासिस्ट संवर्ग सेवा नियमावली को मंजूरी दी गई।
- रिम्स रांची में क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के निर्माण के लिए स्वीकृति दी गई।
- झारखंड राजमार्ग नियमावली में संशोधन किया गया।
- कंबल वितरण योजना में संशोधन किया गया।
- बजट सत्र के सत्रवाचन को मंजूरी दी गई।
- झारखंड पुलिस में चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के लिए नियमावली को मंजूरी दी गई।
- शिक्षकों के स्थानांतरण नीति में संशोधन किया गया।
- झारखंड सैंड माइनिंग रूल को अधिसूचित करने की मांग को मंजूरी दी गई।

आदिवासी परिवारों के समग्र विकास के लिए तेजी से होगा काम : अलका तिवारी

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार आदिवासी परिवारों और गांवों के विकास को लेकर अब और तेजी से काम करेगी। इसके लिए 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। गुरुवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में एक अहम बैठक हुई, जिसमें इन दोनों योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक प्रोजेक्ट भवन में आयोजित हुई।

क्या है डीए-जेएजीयूए अभियान?

इस अभियान के तहत झारखंड के 7.39 गांवों में रहने वाले करीब 49.76 लाख आदिवासी परिवारों के सर्वांगीण विकास के लिए योजना बनाई गई है। गांवों और परिवारों में कौन-कौन सी जरूरतें पूरी नहीं हुई हैं, इसकी पहचान कर वहां सरकार की योजनाओं को पहुंचाया जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को मिलाकर जमीन पर असर दिखे, इसके लिए सभी विभाग तेजी से काम करें। इसके लिए जल्द ही एक गाइडलाइन भी तैयार की जाएगी। छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्यों से सीख लेकर आगे की योजना बनाई जाएगी।

पीएम जनमन योजना के तहत 24,104 करोड़ का प्रावधानः इस योजना के तहत देश के सबसे पिछड़े आदिम जनजातीय परिवारों की हालत सुधारने के लिए आने वाले तीन सालों में कुल 24,104 करोड़ खर्च किए जाएंगे। इसमें से केंद्र सरकार का हिस्सा 15,336 करोड़ और राज्य सरकार का 8,768 करोड़ होगा। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), सड़क योजना, जल जीवन मिशन, मोबाइल अस्पताल, बिजली, आंगनबाड़ी केंद्र और वन धन केंद्र जैसी योजनाओं को तेजी से लागू किया जाए। सभी विभाग भारत सरकार से समन्वय बनाकर काम करें।

बैठक में कौन-कौन अधिकारी थे?

बैठक में कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, जिनमें प्रमुख रूप से मस्तराम मीणा (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) कृपानंद झा (जनजातीय कल्याण विभाग) मनोज कुमार (महिला एवं बाल विकास) ए. सिद्दिकी (कृषि विभाग) उमाशंकर सिंह (शिक्षा विभाग) जितेन्द्र सिंह (श्रम विभाग) अबू इमरान (राज्य स्वास्थ्य मिशन) व अन्य शामिल थे।

जिला परिषद की बैठक

रामसेवक भगत ने पत्थलगड़ा प्रखंड की समस्याओं को उठाया

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा : जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड के जिला परिषद सदस्य रामसेवक भगत ने गुरुवार को आयोजित जिला परिषद बोर्ड की बैठक में अपने प्रखंड की गंभीर समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। श्री भगत ने स्वास्थ्य, बिजली, बेरोजगारी और अन्य आधारभूत समस्याओं पर चर्चा करते हुए प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांग की।बैठक की अध्यक्षता उपविकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी ने की।

श्री भगत ने अपनी बातों को रखते हुए कहा कि प्रखंड के विकास कार्यों में कई समस्याएं अतीत में उठाई गई हैं, लेकिन इनका समाधान अब तक नहीं हो पाया है। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया। बताया कि नवाडीह पंचायत स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र का भवन कई वर्षों से जर्जर स्थिति में है। यह भवन अब उपयोग के लायक नहीं रहा है। उन्होंने कहा, ह्मैंने कई बार विभाग को सूचित किया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए नए भवन का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल इस भवन के निर्माण की मांग की।उन्होंने अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति पर भी सवाल उठाया। उन्होंने यह भी बताया कि पत्थलगड़ा प्रखंड में सरकार द्वारा अस्पताल तो बनवाया गया है, लेकिन यहाँ स्थायी रूप से कोई डॉक्टर नहीं है। विभाग का कहना है कि सप्ताह में दो दिन डॉक्टर आते हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि डॉक्टर कभी भी नियमित रूप से नहीं आते। इससे ग्रामीणों को छोटे-मोटे इलाज के लिए भी दूर-दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ता है। श्री भगत ने कहा कि अस्पताल में डॉक्टरों की तैनाती शीघ्र होनी चाहिए ताकि स्थानीय लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें।बेरोजगारी को समाप्त करने के लिए नवाडीह में दुकानों का निर्माण करने का सुझाव दिया। श्री भगत ने सुझाव दिया कि नवाडीह ग्राम स्थित बैंक ऑफ इंडिया की खाली भूमि पर जिला परिषद से दुकानों का निर्माण कराया जाए। इससे स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस भूमि का खाता संख्या 264 और प्लॉट संख्या 3477 है, जो बेरोजगारी दूर करने के लिहाज से उपयुक्त स्थान है।उन्होंने कहा कि नवाडीह पावर हाउस के पास स्थित ट्रांसफॉर्मर कई दिनों से जल चुका है। इसके कारण लगभग 200 घरों में अंधेरा छाया हुआ है। उन्होंने बिजली विभाग से शीघ्र नया ट्रांसफॉर्मर स्थापित करने की अपील की, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके और उनकी दिनचर्या सामान्य हो सके। श्री भगत ने रखौत बस्ती में बिजली आपूर्ति की समस्या से भी बोर्ड को अवगत करवाया। कहा कि बोगासाड़म ग्राम के रखौत टोला में बिजली आपूर्ति सिमरिया लाइन से की जा रही है, लेकिन यह बहुत अस्थिर और अव्यवस्थित है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि इस क्षेत्र को सीधे पत्थलगड़ा लाइन से जोड़कर स्थायी समाधान किया जाए।प्रशासन से शीघ्र समाधान की मांगः बैठक के समापन पर श्री भगत ने प्रशासन से इन समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की अपील की।

तेज रफ्तार बाइक ने वृद्ध को कुचला, मौत

चतरा : देवरिया पंचायत के दुबे लॉज के समीप गुरुवार की देर शाम करीब 6:30 बजे तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की चपेट में आने से नंदकिशोर पासवान (65 वर्ष) की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के पश्चात स्थानीय ग्रामीणों और परिजनो की मदद से गंभीर रूप से घायल वृद्ध को तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया।परिजनो से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक और उनकी पत्नी दुबे लॉज स्थित बाबा घाट मंदिर में दर्शन कर घर वापस लौट रहे थे।

प्रेम विवाह के दो माह बाद ही पत्नी की मौत

संदिग्ध परिस्थिति में घर के कमरे में दुपट्टा से लटका मिला शव

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के औरू गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गुरूवार सुबह 18 वर्षीय सुष्मिता कुमारी (मृतिका) का शव घर के कमरे में दुपट्टे से लटका मिला। इधर ग्रामीणों ने इसकी सुचना हंटरगंज पुलिस को दी। सुचना मिलते ही हंटरगंज पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा भेज दिया।आपको बताते चलें कि सुष्मिता ने दो माह पूर्व औरू गांव निवासी रंजीत भारती के साथ प्रेम विवाह की थी। ग्रामीणों के अनुसार यह प्रेम विवाह प्रेमी के परिजनों का रास नहीं आ रहा था। चार दिन पूर्व ही मायके वालों ने ससुराल पक्ष को बर्तन, पलंग, किचन सामग्री, कपड़ा वगैरह उपहार में दिया था। गुरुवार को जब ससुराल के परिजनों ने देखा कि उसका शव दुपट्टा से लटक रहा है। तब पति रंजीत ने तुरंत उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। कुछ ग्रामीणो ने बताया कि सुबह 7 बजे तक सब ठीक ठाक था। मृतिका खाना बना रही थीं लेकिन अचानक फांसी लगा ली ये समझ से परे आ रहा है।वहीं दूसरी ओर मृतका के मायके पक्ष ने पति पर हत्या का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार पति-पत्नी समेत मृतिका की सास के बीच विवाद की बात सामने आई है। सुष्मिता हंटरगंज थाना क्षेत्र के गेरुआ पंचायत अन्तर्गत जावादोहर निवासी विजय भारती की पुत्री थी।पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है। हालांकि मौत के कारण का स्पष्ट पता पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगी।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर पीवीटीजी परिवारों के उत्थान में जुटा जिला प्रशासन

डोर टू डोर सर्वे कर आदिम जनजाति परिवारों को विकास योजनाओं से जोड़ा जा रहा

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा : झारखंड सरकार की आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा पीवीटीजी परिवारों को विकास से जोड़ने की कवायद का प्रतिफल अब देखने को मिल रहा है। उपायुक्त रमेश घोलप के नेतृत्व में 28 नवंबर से जिले के पीवीटीजी (बिरहोर, परहैया, बैगा आदि) परिवारों का डोर-टू-डोर सर्वे कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने का संगठित अभियान शुरू किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों से सीधा संवाद कर उनकी जमीनी समस्याओं और अपेक्षाओं को सुना। इन संवादों और निरीक्षणों के आधार पर एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई।तत्पश्चात सभी बस्तियों में प्रखंड और पंचायत स्तर की टीमों के माध्यम से डोर-टू-डोर सर्वे कराया गया, जिसमें प्रत्येक परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, योजनाओं से जुड़ाव की स्थिति और आवश्यकीय दस्तावेजों की जानकारी एकत्रित की गई। संबंधित विभागों की योजनाओं से जुड़ाव हेतु स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए।इसके उपरांत गांवों और बस्तियों में प्रखंड व जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा लगातार शिविर आयोजित किए गए, जिनमें पीवीटीजी परिवारों से योजनाओं के लिए आवेदन भरवाए गए और वहीं मौके पर आवश्यक सहायता भी प्रदान की गई। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि किसी भी परिवार को आवेदन या प्रक्रिया के लिए प्रखंड कार्यालय या अंचल कार्यालय तक नहीं जाना पड़ा। इस प्रशासन स्वयं उनकी दहलीज तक पहुंचा। गुरुवार को समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त रमेश घोलप ने प्रेस वार्ता आयोजित कर पीवीजीटी परिवारों के उतरोतर विकास को साझा किया। उपायुक्त ने बताया कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार के तहत जिले में विभिन्न पंचायतों में

शिविर लगाकर आम लोगों की समस्याएं सुनी गईं और उन्हें त्वरित समाधान एवं योजनाओं से लाभान्वित किया गया। बताया कि विशेष रूप से पीवीजीटी परिवारों पर विशेष ध्यान दिया गया। उपायुक्त के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान में कुल 74 गांवों में 1653 पीवीटीजी परिवार चिन्हित किए गए। इनकी कुल जनसंख्या 6431 है। इनमें बिरहोर जनजाति की 3152, परहैया की 667 एवं बैगा की 2612 आबादी दर्ज की गई है। प्रखंडवार सबसे अधिक पीवीटीजी परिवार लावालौंग (1016), प्रतापपुर (1445), चतरा (1167), कुंदा (811) और सिमरिया (1003) प्रखंडों में निवास करते हैं। बताया कि जमीनी संवाद और प्रशासनिक निगरानी अभियान की ताकत बनी।स्वयं उपायुक्त, डीडीसी, एसडीओ और बीडीओ स्तर के अधिकारियों द्वारा गांवों में पहुंचकर जन संवाद स्थापित किया गया। समस्याएं मौके पर सुनी गईं और तत्काल निराकरण के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त रमेश घोलप ने बताया कि जिले में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत अबतक 3883 जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए। आवासीय प्रमाण पत्रों की संख्या 4009 रही। प्रथम बार 82 आय प्रमाण पत्र बनाए गए। 1290 जन्म प्रमाण पत्र बनाए गए। 689 नए आधार कार्ड बने। 19.91 एकड़ भूमि पर कुल 74 वन अधिकार पट्टा की स्वीकृति दी गई। जिसमें 14.86 एकड़ पर व्यक्तिगत शामिल है। वहीं 5.05 एकड़ भूमि पर 3 सामुदायिक पट्टा शामिल है। वहीं 290 लाभार्थियों को पेंशन योजनाओं से जोड़ा गया है। 495 नए आवास की स्वीकृति दी गई है। 449 नए मनरेगा जॉब कार्ड बनाए गए।मनरेगा अंतर्गत 109 योजनाओं को शुरू किया गया।

पीवीटी परिवारों को 41 स्वयं सहायता समूह से जोड़ा गया,जिससे 579 महिलाएं लाभांवित हुई।

एजी ने अनुराग गुप्ता को 30 अप्रैल से माना सेवानिवृत, 1 मई से सैलरी शून्य

केंद्र ने अनुराग गुप्ता की सर्विस को खत्म माना

संवाददाता

रांची: झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता के सेवा काल को लेकर राज्य और केंद्र सरकार के बीच चल रहे विवाद में नया मोड़ आ गया है। अब झारखंड के प्रधान महालेखाकार(पीएजी) कार्यालय ने अनुराग गुप्ता को 30 अप्रैल से सेवानिवृत मानते हुए एक मई से उनकी सैलरी शून्य कर दी है। एजी ऑफिस ने पे-शून्य करने की जानकारी डीजीपी अनुराग गुप्ता और प्रोजेक्ट बिल्डिंग ट्रेजरी को भी भेज दिया है।

पे-स्लीप शून्य होने से 30 अप्रैल के बाद से डीजीपी का वेतन ट्रेजरी से मिलना मुश्किल लग रहा है। राज्य सरकार ने पहली बार 26 अप्रैल

2024 को डीजीपी अजय कुमार सिंह को हटाकर अनुराग गुप्ता को प्रभारी डीजीपी बनाया था। इसके बाद झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग ने प्रभारी डीजीपी अनुराग गुप्ता को हटाने का आदेश दिया था। 10 अक्टूबर 2024 को अनुराग गुप्ता को पद से हटा दिया गया था। इसके बाद अजय कुमार सिंह को फिर से डीजीपी बनाया गया। चुनाव खत्म होने के बाद 28 नवंबर को अजय कुमार सिंह को एक बार फिर से हटाकर अनुराग गुप्ता को डीजीपी का प्रभार दे दिया गया। इसके बाद 8 जनवरी को झारखंड सरकार ने डीजीपी की नियुक्ति के लिए नई नियमावली बनाई। हाईकोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया। कमेटी में मुख्य सचिव, गृह सचिव, पूर्व डीजीपी व अन्य को सदस्य बनाया गया। कमेटी की अनुशंसा पर 3 फरवरी 2025 को अनुराग गुप्ता को फिर डीजीपी बनाया गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 22 अप्रैल 2025 को राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखा और अनुराग गुप्ता को सेवानिवृति तिथि 30 अप्रैल मानते हुए उन्हे डीजीपी पद से रिटायर करने का निर्देश जारी कर दिया। लेकिन राज्य सरकार ने नियमों और प्रावधानों का हवाला देते हुए अनुराग गुप्ता को डीजीपी बनाए रखा। इस संबंध में राज्य के गृह विभाग ने केंद्र को पत्र भी लिखा। दो दिन बाद केंद्र ने राज्य सरकार के जवाब को खारिज कर दिया। अनुराग गुप्ता को डीजीपी बनाए रखने के फैसले को गलत करार दिया। केंद्र ने कहा-जिस नियम के तहत उन्हे डीजीपी बनाए रखा गया है, वह अवैध है।

श्री श्याम मन्दिर में मोहिनी एकादशी उत्सव धूमधाम से संपन्न

मेट्रो रेज

रांची : अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में आज मोहिनी एकादशी उत्सव अत्यन्त धूमधाम एवं भक्तिमय वातावरण में आयोजित किया गया ।

प्रातः श्री श्याम प्रभु को नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर रजनीगंधा, गुलाब , बेला , गैंदा, तुलसीदल की मालाओं से श्री श्याम प्रभु का श्रृंगार किया गया साथ ही मन्दिर में विराजमान शिव परिवार एवम बजरंगबली का भी इस अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया । रात्रि नौ बजे श्री श्याम प्रभु के जयकारों के बीच पावन ज्योत प्रज्वलित की गई । इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान - फल - मेवा - व केसरिया दूध का भोग अर्पित किया गया । रात 12 बजे महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया । आज के इस कार्यक्रम में गोपी किशन ढांढनीयां, ओम जोशी , रमेश सारस्वत , बालकिशन पररमपुरिया , नितेश लाखोटिया , चन्द्र प्रकाश बगला , धीरज बंका , अभिषेक डालमिया , राजेश सारस्वत , विकाश पाडिया का विषेश सहयोग रहा ।

शिक्षा मंत्री से मिला पासवा का प्रतिनिधिमंडल जमीन की बाध्यता खत्म करने की मांग

मेट्रो रेज

रांची: प्राइवेट स्कूलों के प्रतिनिधि मंडल एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद के नेतृत्व में झारखंड में संचालित सभी निजी विद्यालयों को मान्यता लेने में जमीन की बाध्यता को लेकर एक प्रतिनिधमंडल ने आज राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से उनके निवास स्थान पर मुलाकात की। साथ ही विभिन्न बिंदुओं पर मंत्री महोदय का ध्यान आकृष्ट हेतु उन्हें मेमोरंडम सौंपा। प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी मोहम्मद उस्मान,अरविंद कुमार, तौफीक हुसैन, मसूद कच्ची,आलोक विपिन टोप्पो,डॉ बीएनपी बर्णवाल, श्याम सुंदर, प्रवीण मोदी, अंसारुल्लाह, दीपक कुमार व अन्य ने मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों ने मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अगर झारखंड सरकार जमीन की बाध्यता शिथिल किया जाए और निजी विद्यालयों के

मान्यता पर विचार कर राज्य सरकार सहयोग करती है तो प्रत्येक वर्ष झारखंड राज्य में निजी विद्यालयों द्वारा 25% गरीब बच्चों का पठान पाठन निःशुल्क संभव हो पाएगा जिससे हजारों हजार बच्चे अपने भविष्य को स्वर सकेंगे। शिक्षा का स्तर राज्य में और बढ़ेगी। तमाम बातों को शिक्षा मंत्री महोदय ने बड़े ही सलीनता से सुनी और सबों को अस्वस्थ कराया और राज्य में संचालित सभी गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय कि सूची व विद्यालय संचालन हेतु संबंधित आवश्यक कागजात उपलब्ध कर जमा करने कि बात कही उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इस पर विचार करेगी और निजी विद्यालयों को हर संभव सहयोग कर मान्यता देने का काम करेगी। मौके पर झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से राँची, कोडरमा, देवघर,चतरा, हजारीबाग, जमशेदपुर, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, जामताड़ा, साहिबगंज, पाकुड़, रामगढ़, पतरातु इत्यादि के सैकड़ों विद्यालय संचालक, सदस्य एवं पदाधिकारीगण उपस्थित हुए।

आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना की कार्रवाई बलिदानियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : अवधेश कु. सिंह

मेट्रो रेज

बख्तियारपुर (पटना)/रांचीः प्रखंड अंतर्गत करनौती ग्राम निवासी सेवानिवृत्त सैनिक अवधेश कुमार सिंह ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों की एयर स्ट्राइक से कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध ऐसे अभियान जारी रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान प्रेम की भाषा नहीं समझता है। उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई जरूरी है। भारतीय सेना ने साहस का परिचय देते हुए आतंकवाद को समूल नाश करने की दिशा में जो कार्रवाई की है, स्वागत योग्य है। श्री सिंह ने सेना और केंद्र सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम में बलिदान हुए लोगों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उनके परिजनों के लिए न्याय है। भारतीय सेना की इस कार्रवाई से पाकिस्तान को पता चल गया है कि यदि वह आतंकवादियों को

संरक्षण देगा, तो उसका नामोनिशान मिट जाएगा। श्री सिंह ने कहा कि जिस प्रकार लातों के भूत बातों से नहीं मानते। उसी प्रकार पाकिस्तान प्रेम की भाषा नहीं समझता है, उसके खिलाफ ऐसी कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शोक और गहरी पीड़ा से गुजर रहे देशवासियों को सेना के ऑपरेशन सिंदूर से काफी सुकून मिला है। पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर भारतीय सेना ने अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया है। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर आतंकी कैंप को ध्वस्त करना भारतीय सेना का पराक्रम दशार्ता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का इतिहास रहा है कि दुश्मन को खदेड़कर उसके घर में घुसकर मारा है। उसके नापाक मंसूबों को कभी भी सफल होने नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि इस हमले से पाकिस्तान सबक ले, आतंकवादियों की शरणस्थली न बने, अन्यथा उसका नेस्तनाबूद होना तय है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक (बिजली), उत्तर पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्यों के लिये दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा संख्या** : म.रे.प्र. (बि.)–01–25–26 **कार्य का नाम** : All Div.: Rewiring of Staff quarters on age cum condition basis in COR-UDZ Section. **अनुमानित लागत** : रू. 1,72,55,425/- **बयाना राशि** :रू. 2,36,300/- **ई निविदायें बंद होने की तिथि** : 29.05.25 **निविदा संख्या** : म.रे.प्र. (बि.)–02–25–26 **कार्य का नाम** : All Div.:Electric work due to provision of LED pit light below catwalk at coaching depot Madar and Udaipur Coaching depots. **अनुमानित लागत** : रू. 1,80,54,905/- **बयाना राशि** : रू. 2,40,300/- **ई निविदायें बंद होने की तिथि** : 29.05.25 **निविदा संख्या** : म.रे.प्र. (बि.)–03–25–26 **कार्य का नाम** : All Div.:Improvement of lighting arrangement in GLO ground, Ajmer. **अनुमानित लागत** : रू. 1,56,90,040/- **बयाना राशि** : रू. 2,28,500/- **ई निविदायें बंद होने की तिथि** : 29.05.25 उपरोक्त ई निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाइट का पता : **www.ireps.gov.in**

532-DR/25

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

एक्वा वर्ल्ड ने बनाया थल सेना, नौसेना और वायु सेवा के पराक्रम को दिखाने वाला सेल्फी प्वाइंट

- 9 और 10 मई को एक्वा वर्ल्ड में प्रवेश निशुल्क
- गर्मी की छुट्टियों में कार्यक्रमों का थीम 'अनेकता में एकता' रखा गया

संवाददाता

रांची: एक्वा वर्ल्ड समूह के अध्यक्ष प्रतुल शाहदेव ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के वायु सेवा ,नौसेना और थल सेना के पराक्रम को देखते हुए एक्वा वर्ल्ड में 'मां तुझे सलाम' नाम का सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। इसमें तीनों सेनाओं के पराक्रम की झलक दिखेगी। टैंक, आईएनएस विक्रांत ,आर्मी का कमांडो, राफेल आदि से जुड़े सेल्फी प्वाइंट है। प्रतुल ने कहा कि 9 और 10 मई को सभी रांचीवासियों के लिए एक्वा वर्ल्ड में निशुल्क प्रवेश

होगा। इसके अतिरिक्त एक सिग्नेचर बूथ भी बनाया गया जहां लोग 'हम सब भारत के साथ हैं' की थीम पर अपना हस्ताक्षर करेंगे। प्रतुल शाहदेव ने बताया कि इस बार गर्मियों के विभिन्न रविवारों में भी 'अनेकता में एकता' थीम पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। अलग-अलग रविवारों को झारखंड, राजस्थान, बंगाल और पंजाब के संस्कृति और परंपरा को दिखाने वाले कार्यक्रमों का आयोजन होगा। कार्यक्रम श्रृंखला की शुरूआत 11 मई को मदर्स डे से होगा जिसमें सेना से जुड़ी माताओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

एचएम पब्लिक स्कूल में मनी रवीन्द्र नाथ टैगोर की जयंती

मेट्रो रेज

रांचीः देश के महान विभूतियों को उनके कर्मों से त्याग, बलिदान, समर्पण के लिए याद किया जाता है। वैसे ही विश्वगुरु रवीन्द्र नाथ टैगोर की प्रतिभा सिर्फ एक क्षेत्र में नही था , वे कवि, लेखक, उपन्यासकार, नाटककार, चित्रकार, गीत संगीत कार थे, उनकी प्रतिभा के कारण ही उनको साहित्य के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार से सम्मानित किया गया, ये विचार एच एम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अरविंद कुमार ने रविंद्र नाथ टैगोर के168 वीं जन्मदिन स्कूल परिसर में कहा। आज वर्ग 9 एवं 10वीं के छात्रों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की

शुरूआत उनके छाया चित्र में दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में टैगोर के ऊपर हिंदी में आदर्श प्रजापति, अंग्रेजी में स्वीटी कुमारी ने विचार दिए, उसके बाद रविन्द्र संगीत पर आधारित गीत दीप सेन के नेतृत्व में गाया गया जिसके बोल आमी चीनी गो चीनी तोमा के उगो विदेशिनी और पोश तो वेर डाक दिए छे आय रे छूटे आए था। उसी तरह बंग्ला नृत्य दीपिका कुमारी के नेतृत्व में 2 नृत्य प्रस्तुत किया गया। शिक्षकों की ओर से अंजली सेन और डा मोहन प्रकाश के देखरेख में कार्यक्रम की तैयारी की गई। कार्यक्रम का संचालन वैशाखी कुमारी और समीर पांडेय ने किया। कार्यक्रम में वर्ग 6 से 10 तक के छात्रों सहित विद्यालय की ओर से संयुक्ता देवी, अपूर्व शशांक, सरिता एक्का, रणजीत कुमार, रवि प्रकाश, सुजाता देवी, नीलम डहंगा, सरोज नाथ , पूनम, सहित सभी शिक्षक उपस्थित थे।

डॉ पीटी उषा ने झारखण्ड ओलम्पिक एसोसिएशन के नवनिर्वाचित सदस्यों को दी बधाई

रांची : इंडियन ओलम्पिक एसोसिएशन की प्रेसिडेंट डॉ पी टी उषा ने एक पत्र के माध्यम से झारखण्ड ओलम्पिक एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने अपने पत्र के माध्यम से इस बात की उम्मीद जताई की झारखण्ड ओलम्पिक एसोसिएशन का नया सत्र काफी सफल रहेगा और राज्य में ओलम्पिक गतिविधियों में तेजी आएगी। ज्ञातव्य है कि पिछले 13 मई 2025 को झारखण्ड ओलम्पिक एसोसिएशन के चुनाव हुआ थे जिसमें इंडियन ओलम्पिक एसोसिएशन की तरफ से श्री कुलदीप वत्स पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची

ई-प्रोक्योरमेंट सूचना

टेन्डर रेफरेंन्स नं0–प0नि0वि0 / राँची–01 / 2025–26 दिनांक :– 07.05.2025

1.	कार्य का नाम	IRQP work of Ranchi Ring Road-Sarwal-Baredih Industrial area approach road (कुल लम्बाई–2.99 कि0मी0) वर्ष 2025–26.
2.	प्राक्कलि राशि (रू0 लाख में)	रू0 110.20040 लाख (रूपये एक करोड दस लाख बीस हजार एवं चालिस) मात्र।
3.	अग्रधन की राशि (रू0 लाख में)	रू0 2.21 लाख (रूपये दो लाख एकीस हजार) मात्र।
4.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 (दो) महीना
5.	वेबसाईड पर निविदा प्रकाशन की तिथि	14.05.2025 10.30 बजे पूर्वाहन
6.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि / समय	03.06.2025 12.00 बजे दोपहर तक
7.	निविदा खोलने तिथि / समय	04.06.2025 12.30 बजे
8.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल राँची, मोहराबादी, राँची–834008.
9.	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	0651–2361018
10.	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	0651–2403007

- प्राक्कलित राशि एवं अग्रधन की राशि घट–बढ़ सकती है, जिसे Tender Online Upload में देखा जा सकता है, एवं किसी भी प्रकार का बदलाव http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
- पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार में निबंधित संवेदकों के लिए UCAN निबंधन आवश्यक है।
- नियम एवं शर्तें के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखें।

PR 351972 Road Construction Dept Road Division Ranchi (25-26)_D

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, राँची

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर हरिकनक ग्रेटर क्लब ने डॉ.हाजरा को किया सम्मानित

मेट्रो रेज

रांची: विश्व रेड क्रॉस दिवस के शुभ अवसर पर आज भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी(भारत) के संरक्षक प्रख्यात एक्यूपंक्चर स्पाइन स्पेशलिस्ट भारत विभूषण डॉ.राजेन्द्र कुमार हाजरा को सामाजिक एवं एक्यूपंक्चर चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए कडरू स्थित उनके स्पाइन एण्ड एक्यूपंक्चर क्लीनिक में लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के अध्यक्ष लायन राजेश केडिया के अध्यक्षता में क्लब टीम द्वारा डॉ. हाजरा को सम्मानित किया गया। विदित हो डॉ.राजेंद्र कुमार हाजरा को रीढ़ एवं जोड़ों के बीमारियों के निदान और उपचार में 29 साल का अनुभव है।उन्हें एक्यूपंक्चर थेरेपी,लेजर

एक्यूपंक्चर,एमएसटी (मांसपेशी कंकाल और रीढ़ उपचार),कोमा उपचार और पक्षाघात (ऊपरी और निचले अंग) आदि के उपचार मे काफीअनुभव है।अब तक डॉक्टर हाजरा ने हजारों हजार लोगों के रीढ़ से संबंधित बीमारियों का सफल उपचार किया है उन्हें स्वास्थय चिकित्सा सेवा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा शुभकामनाएं,भारतीय सेना द्वारा प्रशंसा पत्र,झारखंड रत्न,भारत विभूषण अवॉर्ड सहित अनेकों राज्य स्तरीय,अंतराष्ट्रीय अवार्डों से भी नवाजा जा चुका है।

आज के कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन प्रेमशंकर मिश्रा,सचिव लायन अमित मिश्रा,क्लब प्रवक्ता लायन शिव किशोर शर्मा,लायन अंकित सर्राफ,लायन साकेत अग्रवाल आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। मौके पर कार्यक्रम मे अतिथि स्वरूप छात्र क्लब मानव कल्याण मंच के वरीय संरक्षक ललित कुमार चौधरी,विशाल मेहता,विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के रास्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश जी भी उपस्थित थे।

Office of Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag

Short Tender e-Procurement Notice

Tender reference :- 01/HZB/2025-26 Date :- 08.05.2025

Sl. No.	Name of the work	Estimate Cost (In Rs.)	Earnest Money (In Rs.)	Cost of BOQ (In Rs.)	Time of Completion
1.	Construction of 5 nos. 200 mm x165mm x 300.00 Mtr deep High Yield Drilled Tube well and providing 5 nos. 5 HP Electric Motor with submersible cable,rope,HDPE pipe and Bore well chamber in WTP campus of Keredari-Peto Rural Pipe water supply scheme, Block-Keredari , under D.W. & S. Division Hazaribagh in the District of Hazaribagh on "Turn Key Basis" for the Year 2025 -2026.	22,83,285.00	26000.00	5,000.00	15 Days
2.	Date of Tender uploading in website	Date:- 13.05.2025 up to 05:00 PM			
3.	Last date receipt of Bid	Date:- 29.05.2025 up to 05:00 PM			
4.	In the Reference Letter No-230 dt.-03.10.2023 of the Secretary to the Government ministry of Information Technology a -governance, Jharkhand Last Date & Time for Online Deposit Cost of BOQ & EMD	Date:- 29.05.2025 up to 05:00 PM			
5.	Date of opening tender	Date:- 30.05.2025			
6.	Name and address of office inviting tender	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag			
7.	Name and address of tender opening officer	Executive Engineer, Drinking Water & Sanitation Division, Hazaribag			
8.	Contact no of e-procurement office	06546-262291			
9.	Helpline No. of e-procurement cell	0651-2480345			

i) Estimated Cost & EMD Cost may be changed.
ii) Only Registered contractor in this department participate in said tender.
iii) Further details can be seen on website- http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
D.W. & S. Division,
Hazaribag

PR 352003 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D

सुविचार

**मेहनत अगर आदत बन जाए, तो
सफलता ही तकदीर बन जाती है।**

बेकाबू ट्रोलर्स

कश्मीरी और मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने के विरुद्ध हिमांशी नरवाल और बच्ची से दरिंदगी के खिलाफ आवाज उठाने वाली शैला नेगी को सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणियां और धमकियां मिल रही हैं, जो बेहद शर्मनाक है। ट्रोलर्स ने सारी मयार्दाएं लांघ दी हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर गरिमा को ठेस पहुंचाना गलत है। मुसलमानों या कश्मीरियों के खिलाफ नफरत न फैलाने की अपील करने वाली हिमांशी नरवाल और एक बच्ची से दरिंदगी के खिलाफ सड़क पर उतरे लोगों की मयार्दाहीन भाषा पर एतराज करने वाली शैला नेगी के साथ जिस तरह की अभद्र टिप्पणियों और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है, वह पूरे देश के लिए शर्मनाक और अफसोसजनक है। ट्रोलिंग करने वालों ने सारी मयार्दा तोड़ दी। एक महिला की गरिमा का भी ख्याल नहीं किया।

सोशल मीडिया पर किसी की ट्रोलिंग अब बेहद आम हो चुकी है। ट्रोलर्स ऐसी लहर की तरह बर्ताव करते हैं, जिसके सामने कोई नियम-कायदा, नैतिकता या मयार्दा नहीं टिकती। हिमांशी इसी ट्रेंड का शिकार हुईं और यही देखने को मिला नैनीताल में शैला नेगी के साथ। जरूरत यह थी कि समाज इन दोनों हिम्मती और विवेकशील लड़कियों का साथ देता। लेकिन इन्हें गालियां और धमकियां मिल रही हैं। आलोचना का दायराः संविधान ने सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार दिया है। लेकिन इस आजादी का एक निश्चित दायरा है। यह अभिव्यक्ति किसी दूसरे की स्वतंत्रता और गरिमा पर चोट करने वाली नहीं होनी चाहिए। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग करते हुए कई लोग इस बात को भूल जाते हैं। उन्हें बात रखने की अपनी आजादी तो नजर आती है, सामने वाले का अधिकार और उसकी गरिमा का ध्यान नहीं रहता। किसी की बातों से सहमत या असहमत हुआ जा सकता है, लेकिन इसे व्यक्त करने का तरीका शालीन होना चाहिए। ज्यादा सतर्कता की जरूरतः सोशल मीडिया पर गाली-गलौज या अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। जब ऐसी भाषा पारिवारिक या सामाजिक जीवन में नहीं चलती, तो सोशल मीडिया पर कैसे चल सकती है, जिसका दायरा कहीं ज्यादा बड़ा है। अगस्त 2023 में शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु के पूर्व विधायक और अभिनेता एस वी शेखर को महिला पत्रकारों के खिलाफ फेसबुक पर अपमानजनक टिप्पणी लिखने के मामले में राहत देने से इनकार करते हुए कहा था कि सोशल मीडिया इस्तेमाल करते समय इसके प्रभाव और पहुंच को लेकर सतर्क रहना चाहिए। गाइडलाइंस चाहिएः वैसे सोशल मीडिया पर ही हिमांशी और शैला को सपोर्ट करने वाले भी हैं। यह सुखद तो है, पर समस्या का हल नहीं। सोशल मीडिया पर गाइडलाइंस को लेकर सोचने की जरूरत है। रेप की धमकियों का सामना कर रहीं शैला का यह सवाल सबके लिए है कि लोग किस बात को लेकर सड़क पर उतरे थे और कहां पहुंच गए।

करारा जवाब

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान में आतंकवाद को करारा जवाब दिया है। भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत ने स्पष्ट किया कि वह युद्ध नहीं चाहता, पर जवाब देने को तैयार है। सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकाने तबाह किए। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में फल-फूल रहे आतंकवाद को सधा और करारा जवाब दिया है। भारतीय कार्रवाई सटीक, संतुलित और गैर-उकसावे वाली थी। इसमें भारतीय फौज ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इस ऑपरेशन के जरिये भारत ने फिर यह संदेश दिया है कि वह युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर कोई उसकी तरफ आंख उठाकर देखेगा तो उसे जवाब देने से भी नहीं हिचकेगा। भारतीय सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में कुल नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इन जगहों का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और दूसरे आतंकी संगठन कर रहे थे। यहीं पर आतंकवादियों को ट्रेनिंग दी गई, जिन्होंने भारत में कई कायराना वारदातों को अंजाम दिया। पाकिस्तान को बार-बार इनके बारे में जानकारी दी गई, लेकिन कोई कदम उठाने के बजाय वह इनकी मौजूदगी को ही नकारता रहा। उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपीलों पर भी ध्यान नहीं दिया बल्कि अब तो यह भी साफ है कि भारत पर और हमले करने की साजिश रची जा रही थी। 2016 और 2019 में भी भारतीय फौज ने आतंकवादी हमलों के जवाब में क्रमशः सर्जिकल स्ट्राइक और टेरर लॉन्च पैड को निशाना बनाया था। ऑपरेशन सिंदूर 2019 की कार्रवाई से कहीं बड़ी है। इसमें बड़े इलाके में फैले आतंकी इन्फ्रा को टारगेट किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 100 किलोमीटर अंदर थे। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरा देश गुस्से में था। उनका मकसद भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाना था। इसे लेकर कश्मीर सहित देश भर में आक्रोश था और भारत की तरफ से जवाब भी लाजिमी था। दरअसल, पड़ोसी देश की दिलचस्पी इन आतंकवादियों को सजा दिलाने में भारत की मदद करने की नहीं थी। सचाई तो यही है कि बरसों से वह आतंक को प्रश्रय देता आया है और उसकी खुफिया एजेंसी क्रककी शह पर भारत में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया गया।ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना ने हर लक्ष्य का चयन विश्वसनीय इंटेलिजेंस सूचनाओं के आधार पर किया। पहलगाम के 15 दिनों बाद जवाब दिया गया यानी पाकिस्तान को अपनी गलती सुधारने और अपनी जमीन पर पल रहे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का पूरा मौका दिया गया। पाकिस्तान ने भारतीय कार्रवाई को एक्ट ऑफ वॉर बताया है और कहा है कि उसे जवाब देने का अधिकार है। उसकी तरफ से झूठे प्रचार का युद्ध शुरू हो चुका है। उसकी मंशा संघर्ष बढ़ाने वाली लगती है। लेकिन पाकिस्तान का हित इसी में है कि वह भारत के साथ लड़ाई न बढ़ाए। आखिर, भारत ने भी यही संकेत दिया है कि वह इसे हवा नहीं देना चाहता।

पाक प्रायोजित आतंकवाद पर अमेरिका का ढुलमुल रवैया

अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी।

योगेंद्र योगी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है।

अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है। अमेरिका के व्यवसायिक हित सर्वोपरि हैं।

भारत के भारी विरोध के बावजूद अमेरिका ने पाकिस्तान को घातक एफ16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमेरिका करता रहा है। अमेरिका ने भारत के विरोध को नजरांदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमेरिका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोग और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आई का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा का अहम सहयोगी अमेरिका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे लकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाए भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं अमरीकी से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमेरिका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमेरिका का है। साथ ही पाकिस्तान का सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। भारत से दोस्ती का दंभ भरने वाले अमेरिका ने पाकिस्तान को आतंकी पालने पर कभी भी सख्त कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत भारत की तरक्की और परमाणु क्षमता अमेरिका को तब तक खटकती रही, जब तक भारत ने दोनों क्षेत्रों में विश्व में अपना लोहा नहीं मनवा दिया। भारत ने चाबहार पोर्ट को लेकर ईरान के साथ समझौता किया है। इससे भारत को ओमान की खाड़ी में स्थित इस रणनीतिक पोर्ट का संचालन अधिकार 10 साल के लिए मिल गया है। लेकिन इस समझौते को अमेरिका ने नापंसद कर दिया। अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी जारी की। हालांकि, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका को दो टूक जवाब दे दिया और कहा कि अमेरिका अपनी सोच बड़ी करे, क्योंकि इस योजना से पूरे क्षेत्र को फायदा होगा। वैसे ये पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों की चेतावनी दी है। बल्कि, 50 साल पहले जब भारत ने पोकरण में पहला परमाणु परीक्षण किया था, तब अमेरिका ने 30 सालों के लिए भारत पर प्रतिबंध लगा दिया था। भारत ने इन प्रतिबंधों की परवाह किए बगैर तरक्की का रास्ता जारी रखा। भारत सैन्य प्रौद्योगिकी सहित अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो गया। इसके बाद व्यापारी अमरीका को लगने लगा कि इन प्रतिबंधों से अमेरिका को ही घाटा हो रहा है, तब जाकर इनको हटाया गया।

सही मायने में अमेरिका भारत को बराबरी का दर्जा देने से गुरेज करता रहा है। अमेरिका का प्रयास यही रहा है कि भारत को पाकिस्तान के समकक्ष रखा जाए। भारत ने हर क्षेत्र में अपनी तरक्की से अमेरिका के ऐसे प्रयासों को हमेशा झटका दिया है। ऐसे में अमेरिका से कभी भी उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह पहलगाम में हुई आतंकी घटना के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान को दंडित करेगा। भारत को अपने बलबूते ही ऐसी वारदातों से निपटने और पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए दूरगामी नीति अपनानी होगी।

(लेखक के अपने विचार हैं।)

ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्या?

किसी भी भारतीय नागरिक की यह पहली प्रतिक्रिया हो सकती है। सवाल इसके बाद की स्थितियों पर है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के वक्तव्य को देखा जाना चाहिए, जिसमें वे कहते हैं कि ऐसा कर हमने अपने अधिकार का प्रयोग किया है। वे 25 अप्रैल के संयुक्त राष्ट्र संघ के उस संकल्प को याद करते हैं कि दुनिया से आतंकवाद की समाप्ति के लिए एकजुट और संकल्पबद्ध कार्रवाई की जरूरत है। इससे भी आगे मिसरी ने जो जानकारी दी

डॉ. प्रभात ओझा

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान के अंदर 6-7 मई की रात भारतीय सेना की कार्रवाई पिछले सभी स्ट्राइक से अलग है। जैसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, पहलगाम हमला भारत की आत्मा पर हमला है और हम इसका माकूल जवाब देंगे, यह कारर्वाई उसी तरह की है। बहादुर भारतीय सैनिकों ने एक ही साथ नौ स्थानों पर 21 आतंकी ठिकानों को तबाह कर डाला है। इससे पूरा देश संतुष्ट है, उत्साह में है, यूं कहें कि राष्ट्र गौरव से भर उठा है। इस अवसर पर किसी भी भारतीय नागरिक की यह पहली प्रतिक्रिया हो सकती है। सवाल इसके बाद की स्थितियों पर है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के वक्तव्य को देखा जाना चाहिए, जिसमें वे कहते हैं कि ऐसा कर हमने अपने अधिकार का प्रयोग किया है। वे 25 अप्रैल के संयुक्त राष्ट्र संघ के उस संकल्प को याद करते हैं कि दुनिया से आतंकवाद की समाप्ति के लिए एकजुट और संकल्पबद्ध कार्रवाई की जरूरत है। इससे भी आगे मिसरी ने जो जानकारी दी, वह है कि हमारे देश के अंदर पहलगाम की तरह एक और आतंकी हमला होने वाला था। ऐसा हम अपने

उच्चस्तरीय खुफिया सूत्रों के हवाले से कह रहे हैं। ऐसे हमले रोकने के लिए ये कारर्वाई अत्यंत आवश्यक थी। यानी दुश्मन हमला करे, उसके पहले ही उसकी रीढ़ तोड़ दी जाय। 6-7 मई की रात की कार्रवाई के बाद के सवाल का जिक्र करते समय हमें पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पर नजर डालनी चाहिए। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान अपनी हिफाजत कर सकता है लेकिन भारत रुक जाता है तो हम भी रुक जाएंगे। इससे तो लगता है कि भारत अपनी कार्रवाई को समाप्त घोषित कर दे, तो पाकिस्तान चुप बैठ जायेगा। इसके विपरीत, अन्य बयानों से ऐसा नहीं लगता। पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईपीआर) के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बताया कि भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री के बयान के एक और हिस्से को देखा जाय तो वह भविष्य का संकेत करता है। भारत की ओर से जहां कहा गया कि हमले सिर्फ आतंकी ठिकानों पर ही हुए, वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का कहना है कि भारत ने अपनी हवाई सीमा से पाकिस्तान पर मिसाइल हमले किए। मिसाइलें नागरिक इलाकों पर गिरीं।

पाकिस्तान जहां एक त?फ भारत के रुक जाने पर स्वयं के भी रुकने की बात करता हं, वहीं अपने कथित नागरिक ठिकानों पर हमले की जानकारी से वह दुनिया की सहानुभूति बटोरना चाहता है। हालांकि अभी कई देशों ने यह उम्मीद जताई है कि भारत की इस कार्रवाई के बाद स्थिति सामान्य रहेगी। ऐसे देशों में चीन भी शामिल है, जो भारत-पाकिस्तान, दोनों को अपना पड़ोसी बताकर संयम बरतने की उम्मीद करता है। फिलहाल भारत ने इस कार्रवाई को ह्यऑपे?शन सिंदूरह्ल नाम देकर और इसकी जानकारी सेना की दो वरिष्ठ महिला अधिकारियों से दिलाकर एक संदेश दिया है। संदेश साफ है कि पहलगाम में मां, बेटी, बहनों को जो आघात पहुंचा भारत ने उसे अपनी आत्मा पर आघात समझा। अब पाकिस्तान को समझना होगा कि यदि वह और आघात पहुंचाने की सोच रहा है तो और गंभीर खामियाजा भी वही भुगतेगा। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक के बाद मंत्रिमंडल की विशेष मुलाकात के बहुत गंभीर मायने हो सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

हिमाचल वासियों ने भगवान शिव की बारात का कैसे किया स्वागत

भगवान शंकर की पावन बारात हिमाचल के महलों की ओर बढ़ रही डगर पर थी। क्या बच्चा, क्या युवा और क्या वृद्ध! सभी बारात के आने की सूचना से आनंद के दूसरे छौर पर पहुँच गए थे। ऐसा उत्साह व चाव उन्होंने पहले कभी महसूस नहीं किया था, जैसा आज कर रहे थे। ऐसा होना स्वाभाविक भी था, और थोड़ा विचित्र भी। क्योंकि वृद्ध जनों के पास तो यह तर्क था, कि देवी पार्वती जी उनकी पुत्री के समान हैं। अब जमाई राजा का चाव हम नहीं करेंगे, तो भला और कौन करेगा? युवाओं को देवी पार्वती जी पराई कभी लगी ही नहीं थी। क्योंकि वे उनकी आयु संगिनी जो थी। किंतु बच्चों को आखिर कौन सी मस्ती थी? क्योंकि देवी पार्वती जी न तो उन बच्चों की संगिनी थी, और न ही वृद्ध जनों की भाँति उनकी पुत्री के समान थी। उन बच्चों से किसी ने पूछ ही लिया, कि बच्चों तुम्हें भला देवी पार्वती जी के विवाह का इतना चाव क्यों है? क्या तुम बच्चों को सुंदर पकवान मिलने का चाव है कया?

तब पता है, बच्चों ने क्या उत्तर दिया? वे बोले-लो करलो बात! आज हम प्रसन्न नहीं होंगे तो कौन होगा? अरे भई! हम बच्चों की माता का विवाह होने जा रहा है, और साथ में हमारे नित्य स्वरुप पिता का भी हमें दर्शन होने जा रहा है। तो हमारी प्रसन्नता का पारावार भला कैसे हो सकता है। निःसंदेह उन बच्चों ने जो प्रतिक्रिया दी, वह तो बड़े-बड़े वृद्ध अथवा मुनि भी नहीं दे पाते हैं। कारण कि देवी पार्वती तो जगत जननी हैं। उन्हें कोई पुत्री के रुप में भला कैसे देख सकता है? वे किसी युवा सखी की सखी भी नहीं हो सकती। क्योंकि मित्र भाव तो उनमें होता है, जिनमें सर्वप्रथम तो विचारों की समानता हो जाये। और दूसरी उनकी आयु में भिन्नता न हो। किंतु संसार में क्या कोई भी ऐसा है, जो कहे कि मेरे विचार और जगदंबा माता के विचारों में केई भिन्नता ही नहीं। हम दोनों एक जैसा ही सोचते हैं। ऐसा संसार में कोई भी नहीं है। क्योंकि हम संसारिक जीव, माया के बँधनों में बँधे इस लौकिक जगत में आते हैं। हमें स्वार्थ सिद्धि के सिवा कुछ और सूझता ही नहीं। त्याग की कहीं कोई भावना नहीं होती। परमार्थ क्या होता है, इससे हम कोसों दूर हैं। फिर भला हमारे विचार माँ जगदम्बा से भला कैसे मेल खा जायेंगे? दूसरा यह कि देवी पार्वती जी की आयु के हम हों, तो सखी या सखा होना संभव है। किंतु यह भी किसी भी प्रकार से संभव नहीं है। क्योंक देवी पार्वती जी ठहरी आदि शक्ति जगदम्बा जी। अब जो हों ही आदि शक्ति जगदम्बा जी, तो उनकी आयु को कोई माप सकता है भला? जब इस सृष्टि का उदय भी नहीं हुआ थी, वे तो तब भी थी। जब संपूर्ण सृष्टि का निर्माण ही उन्होंने किया है, तो वे भला हमारी आयु की कैसे हो जायेंगी? क्योंकि हमारी तो आयु ही सत्तर, अस्सी या नब्बे वर्ष होगी। इसलिए सबसे स्टीक उत्तर बच्चों ने दिया, कि आज हमारी माँ की शादी है। निःसंदेह देवी पार्वती को उन नन्हें मुन्ने बच्चों ने ही पहचाना था। क्योंकि देवी पार्वती जी ही तो, साक्षात माँ जगदम्बा जी हैं न। किंतु कुछ भी हो प्रसन्न सब ही थे। तो आईये हम भी प्रसन्न हो लेते हैं, और भोलेबाबा की बारात का स्वागत करते हैं।

सेहत

इंटरमिटेंट फास्टिंग के साथ एक्सरसाइज भी है जरूरी

आज के समय में फिट रहना हर किसी की पहली प्राथमिकता बन चुका है। लेकिन जब भी वेट लॉस की बात होती है, तो लोग अक्सर फैट के साथ मसल्स भी खो देते हैं। जिसकी सीधा असर शरीर की ताकत और टोनिंग पर भी देखने को मिलता है। ऐसे में सभी के मन में यह सवाल जरूर होता है कि ऐसा क्या तरीका होगा, जिससे फैट भी घटे और मसल्स भी ज्यों कि त्यों बनी रहें। तो आपको बता दें कि अगर आप इंटरमिटेंट फास्टिंग के नियम को एक्सरसाइज के साथ फॉलो करते हैं, तो इससे न सिर्फ आपका तेजी से फैट घटेगा, बल्कि आपकी मसल्स भी सुरक्षित रहेंगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको तीन ऐसे डाइट हैक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करने से आप फैट फ्री और फिट बॉडी पा सकते हैं।
बता दें कि इंटरमिटेंट फास्टिंग यानी की खाना खाने और उपवास का एक समय तय होता है। इस फास्टिंग में आप दिन के 8 घंटे में खाना खाते हैं और बाकी 16 घंटे उपवास करते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक जब आप लंबे समय तक फास्टिंग करते हैं, तो शरीर पहले से जमा फैट को एनर्जी के तौर पर इस्तेमाल करता है। यही कारण है कि इससे फैट तेजी से बर्न होता है। वहीं यदि आप इस फास्टिंग विंडो में न्यूट्रिएंट्स और हेल्दी प्रोटीन से भरपूर खाना खाते हैं, तो इसका आपकी मसल्स पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वेट लॉस के लिए सिर्फ फास्टिंग ही नहीं बल्कि एक्सरसाइज भी जरूरी है। जब आप कार्डियो, वेट ट्रेनिंग या स्ट्रेंथ एक्सरसाइज को फास्टिंग के साथ फॉलो करते हैं, तो आपका फैट तेजी से पिघलता है और मसल्स भी बने रहते हैं। एक्सरसाइज से बॉडी में प्रोटीन सिंथेसिस बढ़ता है, जिसस मसल्स की ग्रोथ और मरम्मत होती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज ब्रीफ

प्रशासन ने जुबली चौक व बाजार क्षेत्र से हटाया अतिक्रमण

लातेहार: लातेहार शहरी क्षेत्र में इन दिनों अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जा रहा है. नगर प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर गुरुवार को शहर के जुबली चौक व प्रमुख बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण हटाया गया. नगर पंचायत की टीम ने सड़क किनारे फटपाथ पर दुकान लगाने वालों के सामान हटा दिया और संबंधित दुकानदारों पर 16 सौ रुपए का जुमार्ना लगाया.

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सड़कों पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. अतिक्रमण से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है. सड़?क जाम होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहता है. प्रशासन ने फुटपाथ दुकानदारों से स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने एवं नियमों का पालन करने की अपील की है. वरना कड़ी कार्रवाई की हिदायत भी दी है. इसका असर भी हुआ है. कई लोगों ने खुद अतिक्रमण हटा लाया. नगर प्रशासक ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा. नियम तोड़ने वालों पर आर्थिक दंड के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी. अभियान में नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा, रेवेन्यू इंस्पेक्टर, सेनेटरी सुपरवाइजर सहित नगर पंचायत क शामिल थे.

समितियों में उत्तरदायित्व का स्पष्ट बंटवारा करते हुए संबंधित व्यक्तियों को चिन्हित : सतीश चंद्रा

साहिबगंज : उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा की अध्यक्षता में आपात स्थिति व आपदा प्रबंधन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह बैठक कल आयोजित मॉक ड्रिल की समीक्षा और उसमें मिले अनुभवों के आधार पर आपदा की स्थिति में और अधिक प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई। निर्णय लिया गया कि आपात स्थितियों में समन्वित और समयबद्ध प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न समितियों का गठन किया जाएगा। इन समितियों में उत्तरदायित्व का स्पष्ट बंटवारा करते हुए संबंधित व्यक्तियों को चिन्हित किया गया है। ताकि संकट के समय सभी टीमें कार्यस्थल पर मुस्तैदी से डटी रहें।

जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष डॉ. रणजीत कुमार सिंह, पिरामल फाउंडेशन की प्राचार्या रजिया स्काउट गाइड प्रभारी उमा शंकर सिंह राजेश कुमार सुरेश निर्मल५चंदन साहा छात्र नायक व छात्रा नायिका सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने अपने-अपने अनुभव साझा किए और भविष्य में अधिक सजग रहने पर बल दिया।

युवती के यौन शोषण का आरोपी गया जेल

लातेहार: लातेहार जिले के बालूमाथ थाने की पुलिस ने युवती के साथ यौन शोषण करने के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. पीड़िता की शिकायत पर आरोपी सूरज उरांव (24 वर्ष) के खिलाफ बालूमाथ थाने में 6 मई को कांड संख्या 44/25 के तहत मामला दर्ज किया गया था. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

आरोपी सूरज उरांव थाना क्षेत्र के पचफेड़ी गांव निवासी सुखदेव उरांव का पुत्र है. प्राथमिकी में 21 वर्षीय युवती ने उसके खिलाफ शादी का झांसा देकर यौन शोषन करने व जबरन गर्भपात कराने व उसके परिवार को तबाह करने की धमकी देने का आरोप लगाया है. थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध पुख्ता साक्ष्य मिले हैं और मामले की जांच तेजी से की जा रही है.

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर डीसी ने किया रक्तदान

लातेहार : लातेहार ब?लड बैंक में विश्व थैलेसीमिया दिवस पर गुरुवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में लातेहार डीसी उत्कर्ष गुप्ता पहुंचे और रक्तदान भी किया. उन्होंने सभी स्वस्थ लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की. कहा कि थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित मरीजों के लिए रक्तदान जीवनदायी हो सकता है.

उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी की जान बचा सकता है, इसलिए हर व्यक्ति को सामाजिक दायित्व समझते हुए रक्तदान करना चाहिए. मौके पर लातेहार सिविल सर्जन डॉ अवधेश कुमार सिंह व ब?लड बैंक के तकनीकि सहायक बिनय कुमार सिंह के अलावा रेडक्रास सोसायटी के कई पदधारी व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे.

पूर्व सैनिक सेना के आदेश की प्रतीक्षा में : कर्नल संजय

मेदिनीनगर : पूर्व सैनिक सह पलामू जिले में राजनैतिक कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय कर्नल संजय कुमार सिंह ने कहा कि कश्मीर घाटी में 28 निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या का प्रत्युत्तर भारत की सेना ने पाकिस्तान पोषित आतंकियों को ऑपरेशन सिंदूर के तहत प्रभावी तरीके से दिया है। आतंकी करतूत ने भारत सरकार को कड़े फैसले लेने को बाध्य कर दिया है। पलामू जिला सहित देश के पूर्व सैनिक भारतीय सेना के आदेश की प्रतिक्षा में हैं। आदेश मिलते ही पूर्व सैनिक आतंकवाद का समूल नाश की लड़ाई में अपना योगदान देने के लिए सीमा की ओर कूच कर जाएंगे।

कर्नल संजय कुमार सिंह ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने आजतक पाकिस्तान को पूर्णतः प्रजातांत्रिक देश बनने ही नहीं दिया। आज भी पाकिस्तान में अप्रत्यक्ष रूप से ऑटोक्रेटिक शासन कर रहा है। इस बार भारत पाकिस्तान से आर पार की लड़ाई के मूड में है। ऑपरेशन सिंदूर के रूप में अपने साहसी कार्रवाई के लिए भारतीय सेना बधाई के पात्र है। 1971 के बाद पहली बार भारत ने अपनी आक्रामकता दिखाते हुए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत स्थित आतंकी कैंप और एयर डिफेंस सिस्टम को बर्बाद कर दिया है। यह भारतीय सेना की आधुनिकता का परिचय है। कर्नल संजय ने आगे कहा कि अभी भी सिर्फ झारखंड में ही 2000 से ज्यादा सैनिक साठ वर्ष से कम उम्र के हैं जिनका उपयोग जरूरत पड़ने पर सेना कर सकती है।

बस स्टैंड के पास लगी हाई मास्ट लाइट खराब

बरवाडीह : बरवाडीह बस स्टैंड के पास लगी हाई मास्ट लाइट खराब हो गई है। कुछ महीने में ही लाइट खराब होकर लोगो को मुंह चिढ़ा रही है। लोगो का कहना है कि बस स्टैंड पर यात्रियों और लोगो को अंधेरे से निजात दिलाने के लिए लाखों रुपये से हाई मास्ट लाइट लगाई गई थी। कुछ महीने तो लाइट की स्थिति ठीक ठाक रही,लेकिन इसके बाद खराब होकर अपने घटिया क्वॉलिटी को लाइट उजागर कर दी। इस लाइट के नाम पर सरकार के लाखों रुपये खर्च आज बेकार साबित हो रहे हैं। उनमे से कुछ लाइट कभी जलती है तो कभी स्वतः बुझ जाती है।

सभी संबंधित पदाधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करें : उपायुक्त

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में ग्रामीण विकास कार्यों से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनरेगा प्रधानमंत्री आवास योजना, अबुआ आवास योजना, 15वें वित्त आयोग की योजनाएं एवं मानव दिवस से संबंधित प्रगति की समीक्षा की गई। शुरूआत में उपायुक्त ने 15वें वित्त आयोग अंतर्गत वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की जानकारी ली। सभी प्रखंडों में क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की सभी लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण किया जाए। वर्ष 2025-26 हेतु प्रस्तावित योजनाओं की भी जानकारी प्राप्त की गई।उपायुक्त ने निर्देशित किया कि 15वें वित्त आयोग की योजनाओं के अंतर्गत तीन दिनों के भीतर चापाकल और जलमीनार की मरम्मति के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद की जाए। इसके साथ ही प्रखंड कार्यालय परिसरों में आम बागवानी कराने के निर्देश भी दिए गए।प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के क्रम में कुछ प्रखंडों में कार्य की गति को निराशाजनक बताया गया। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों को त्वरित गति से पूर्ण किया जाए ताकि लाभुकों को समय पर आवास मिल सके।अबुआ आवास योजना 2023-24 की

समीक्षा में यह बात सामने आई कि कुछ लाभुकों द्वारा अब तक आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। इस पर उपायुक्त ने सख्त रुख अपनाते हुए निर्देश दिया कि जो लाभुक आवास निर्माण नहीं करते हैं उनसे राशि की वसूली की जाएगी, उनके विरुद्ध नीलाम पत्र वाद दायर किया जाएगा तथा भविष्य में उन्हें किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। जबकि मनरेगा के तहत मानव दिवस सृजन को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। उपायुक्त ने कहा कि सभी संबंधित पदाधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करें। ताकि विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, बीपीओ एवं सभी प्रखंड समन्वयक मौजूद रहे।

ऐसे में हमारा विद्यालय संस्कार युक्त शिक्षा देने का कार्य कर रहा है : रमेश

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज: मोहिनी एकादशी के पावन अवसर पर विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर साहिबगंज के वंदना कक्ष में दादा-दादी,नाना-नानी पूजन समारोह का आयोजन किया गया।पूजन समारोह का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक गोपाल शर्मा, साहिबगंज विभाग प्रचारक अजय कुमार,साहिबगंज विभाग सह प्रमुख रमेश कुमार, स्थानीय समिति के संरक्षक डॉ अरविंद प्रसाद सिंह,सचिव डॉ मृदुला सिन्हा,उपाध्यक्ष डॉ विजय कुमार अभिभावक प्रतिनिधि तेज नारायण भगत विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने सरस्वती माताओंकार और भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया।पूजन समारोह में गोपाल शर्मा को डॉ अरविंद प्रसाद सिंह एवं अजय कुमार को डॉ मृदुला सिन्हा ने अंगवस्त्र,श्रीफल व गीता की पुस्तिका भेंट कर सम्मानित किया।दादा-दादी नाना-नानी पूजन समारोह को संबोधित करते हुए रमेश कुमार ने उपस्थित लोगों को बताया कि प्रांतीय योजना के अनुसार हर वर्ष ऐसा आयोजन होता है।पहले हम सभी संयुक्त परिवारों में रहा करते थे।तो दादा-दादी,नाना-नानी,चाचा-चाची,भाई-बहन सभी रिश्तों का साथ व आशीर्वाद और संस्कार की प्राप्त होता था।अब एकल परिवारों में रह रहे बच्चे इन रिश्तों से वंचित होते जा रहे हैं।ऐसे में हमारा विद्यालय संस्कार युक्त शिक्षा देने का कार्य कर रहा है। बुजुर्ग हमारे समाज के पथ प्रदर्शक हैं इन्हें सम्मान और स्नेह मिलन चाहिए व उनकी उपेक्षा नहीं होनी चाहिए।विद्यालय के भैया/बहनों ने अपने दादा-दादी,नाना-नानी का पाऊं धो कर,तिलक लगाकर,माला पहनाकर,मुंह मीठा कराकर उनकी आरती उतारी।कक्षा तृतीय की बहन शिवांशी प्रिया ने पूजन समारोह के निमित्त अपनी बात को रखा।विद्यालय की बहनों के द्वारा स्वागत गीत व नृत्य प्रस्तुत किया गया।समारोह का संचालन आचार्य अमित कुमार ने किया।अतिथि परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने किया।धन्यवाद ज्ञापन डॉ विजय कुमार ने किया।समारोह का समापन शांति मंत्र के पाठ के साथ हुआ।पूजन समारोह में विद्यालय आचार्य अजय कुमार साह,श्यामा प्रसाद,कल्याण भंडारी,राघव वत्स,किरण कुमारी गुप्ता,लिपिका राज सिंह,अर्चना वर्मा,निर्मला कुमारी,सारिका कुमारी,स्नेहा भारद्वाज,क्रिस्टीना मुर्मू,टीनू पाण्डेय, दीपशिखा कुमारी,सोनी कुमारी,कर्मचारी बृंद दिनेश राम,मिथुन पासवान,पाटुल मंडल,सोनू यादव,भैया/बहन एवं उनके दादा-दादी नाना- नानी उपस्थित थे।

क्षेत्र के किसानों को उपरोक्त योजनाओं की जानकारी दें : प्रमोद एक्का

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : जिला कृषि पदाधिकारी -सह- परियोजना निदेशक आत्मा साहिबगंज प्रमोद एक्का की अध्यक्षता में किसान उत्पादक संगठन एवं विभिन्न एनजीओ के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य जिले में संचालित किसान उत्पादक संगठनों व कृषक हितैषी योजनाओं की समीक्षा एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश देना था। जिसमें साहिबगंज जिला में कार्यरत विभिन्न किसान उत्पादक संगठनों के सचिव, एग्री क्लिनिक राजमहल एवं साहिबगंज, कृषक पाठशाला साहिबगंज तालझारी व बड़हरवा के कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधिऔर विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जबकि जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें प्रमुख रूप से बीज विनिमय वितरण योजना किसानों का ब्लॉकचेन में निबंधन, झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना, मिट्टी नमूना संग्रह कार्यक्रम, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, किसान समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड के सीसी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना शामिल हैं।श्री एक्का ने सभी उपस्थित प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र के किसानों को उपरोक्त योजनाओं की जानकारी दें एवं उनका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें, ताकि किसान इन योजनाओं से जुड़कर कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्रों में लाभ प्राप्त कर सकें।बैठक में मुख्य रूप से जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोक्ता, उप परियोजना निदेशक,जिला परामर्शी, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन-सह-बीटीएम अजय कुमार पुरी, बीटीएम आत्मा कंचन कुमार सुमन, अमित कुमार लिपिक, आत्मा सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

पथरा पहुंचकर एसडीओ ने डेड चापाकल का किया निरीक्षण

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर : पलामू जिले के चैनपुर प्रखंड के नरसिंहपुर पथरा पंचायत में खराब चापाकल का गुरुवार को सदर एसडीओ सुलोचना मीणा ने निरीक्षण किया। पथरा बाजार में सरयू गुप्ता के कपड़ा दुकान समीप, मटखान के समीप, टेंपो स्टैंड के समीप सहित अन्य जगहों पर महीनों से बंद पड़े चापाकल का निरीक्षण करने के क्रम में उन्होंने चापाकल के खराब पूर्जा, हैंडल, वासर, पाईप, चेक वल्व, लघु जलमीनार के वाटर टंकी आदि की जानकारी लिया। उन्होंने चापाकल व जलमीनार को जल्द बनाने का निर्देश दिया। एसडीओ के साथ चैनपुर के बीडीओ प्रदीप दास, सीओ चंद्रशेखर कुणाल, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता सतीश कुमार, कॉर्डिनेटर बीरबल कुमार और अमित चौबे आदि साथ थे। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने एसडीओ को बताया कि गर्मी बढ़ने से पानी के लिए क्षेत्र में हाहाकार मचा है। शुद्ध पेयजल के लिए लोगों को दूर तक जाना पड़ता है। पंचायत की मुखिया से कई बार शिकायत की गई परंतु स्थिति यथावत है। पथरा पंचायत की मुखिया मीना देवी का प्रतिनिधित्व करते हुए सेवानिवृत्ति शिक्षक व्यास राम ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में खराब चापाकल खराब के संबंध में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से कई बार शिकायत की गई है। विभागीय कर्मचारी चापाकल बनाने के नाम पर खानापूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र-भैरवा, टीकर पर पथरा, राहुल चौधरी के घर पास मैरा, विशेष प्रसाद के घर पास केवालपर, धर्मदेव महतो के घर पास सहित दर्जनों जगहों पर चापाकल खराब है।

दुर्गा वाहिनी का प्रांत स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग 2 जून से

लातेहार : विश्व हिंदू परिषद की बैठक गुरुवार को लातेहार जिला अध?यक्ष श?याम किशोर अग्रवाल की अध?यक्षता में स?थानीय श्रीराम वाटिका में हुई. बैठक में झारखंड प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, बजरंग दल के प्रांत संजोजक रंगनाथ महतो मुख?य रूप से मौजूद थे. प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने बताया कि आगामी दो से आठ जून तक लातेहार में झारखंड प्रांत स्तरीय दुगार्वाहिनी मातृ शक्ति का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जायेगा. बजरंग दल के प्रांत संजोजक रंगनाथ महतो ने बताया कि इस प्रशिक्षण वर्ग में झारखंड के सभी जिलों से माता और बहनें भाग लेंगी. इस दौरान राष?ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें. साथ ही लव जिहाद, धर्मांतरण, गो हत?या आदि? विषयों पर चर्चा की जायेगी. मौके पर संजय तिवारी, रविन्द्र गुप्ता, विकाश मित्तल, महेंद्र नाथ, विजय यादव, जयराम कपूर, नीतीश यादव, मंजू सिंह, चन शौंडिक आदि मौजूद थीं.

साहिबगंज जिले को वर्ष 2030 तक बनाना है बाल विवाह मुक्त जिला

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु बने वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय अधिवक्ता

सहयोगी संगठन मंथन के साथ मिलकर साहिबगंज जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा में निभा रहे प्रमुख भूमिका।भुवन ऋभु साहिबगंज में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के काम से करीब से जुड़े हैं जहां जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन बाल विवाह व बच्चों की ट्रैफिकिंग की रोकथाम के लिए स्थानीय स्तर पर मंथन का सहयोग व मार्गदर्शन कर रहा है।जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जेआरसी बाल अधिकारों की सुरक्षा के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा कानूनी हस्तक्षेप नेटवर्क है जिसके सहयोगी नागरिक समाज संगठन देश के 416 जिलों में काम कर रहे हैं।जिले को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने व 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लिए मंथन भुवन ऋभु के कानूनी व रणनीतिक दिशानिदेर्शों पर अमल कर रहा है।भुवन ऋभु के कानूनी हस्तक्षेपों का शोषण व उत्पीड़न के लिहाज से संवेदनशील बच्चों के हक में राज्य स्तर पर व साहिबगंज जिले में बाल अधिकार नीतियों पर असर देखने को मिला है।इस वैश्विक मान्यता से बाल अधिकारों की सुरक्षा व साहिबगंज जिले को 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने के प्रयासों को मिलेगा बढ़ावा।प्रख्यात बाल अधिकार अधिवक्ता व जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन जेआरसी के संस्थापक भुवन ऋभु को वर्ल्ड लॉ कांग्रेस की बैठक में वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन डब्ल्यूजेए ने प्रतिष्ठित ह्यमेडल ऑफ ऑनरह्ण से सम्मानित किया। वे यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय हैं। भुवन ऋभु का झारखंड और खास तौर से साहिबगंज जिले से गहरा नाता रहा है जहां जेआरसी के सहयोगी के तौर मंथन जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहा है। बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन दुनिया का सबसे बड़ा कानूनी हस्तक्षेप नेटवर्क है। जिसके सहयोगी संगठन देश के 416 जिलों में जमीन पर काम कर रहे हैं।वर्ष 1963 में स्थापित वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन दुनिया के विधिवेत्ताओं की सबसे पुरानी संस्था है जिसने न्याय के शासन की स्थापना में अपने योगदान के लिए विंस्टन चर्चिल, नेल्सन मंडेला, रूथ बेडर गिन्सबर्ग, स्पेन के राजा फेलिप षष्टम्, रेने कैसिन और कैरी कैनेडी जैसी ऐतिहासिक हस्तियों को सम्मानित किया है।जेआरसी के संस्थापक को मिले इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय सम्मान पर सहयोगी संगठन मंथन के निदेशक बिपलब महतो ने कहा, ह्लयह सिर्फ भुवन जी का व्यक्तिगत सम्मान नहीं है- यह हम उन सभी लोगों के लिए अत्यंत गर्व का पल है जो प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन ने उनके कार्यों को जो मान्यता दी है।वह हम सभी के संघर्ष और विश्वास का सम्मान है। यह हमारे प्रयासों को नई गति और उर्जा देगा और राज्य सरकार व जिला प्रशासन के सहयोग से हम 2030 तक साहिबगंज को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम यह भी सुनिश्चित करने के लिए दृढ़प्रतिज्ञ हैं कि बाल मजदूरी के लिए जिले के एक भी बच्चे की ट्रैफिकिंग नहीं होने पाए। यह वैश्विक सम्मान हमारे संकल्प को और मजबूती देता है और बच्चों के लिए एक सुरक्षित और बेहतर दुनिया बनाने के हमारे सपने को नई उर्जा देता है।ह्वडोमिनिकन रिपब्लिक में 4 से 6 मई के बीच हुए इस कार्यक्रम में दुनिया के 70 से ज्यादा देशों से आए लगभग 1500 विधिवेत्ता और 300 से अधिक वक्ता शामिल हुए। इस मौके पर दुनिया की सबसे पुरानी ज्यूरिस्ट संस्था ने भुवन ऋभु को बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए दो दशकों से ज्यादा समय से किए जा रहे। उनके बेहतरीन काम- चाहे वो कानूनी लड़ाइयां हों या जमीनी जागरूकता- के लिए सम्मानित किया। डोमिनिकन रिपब्लिक के श्रम मंत्री एडी ओलिवारेज ऑतेर्गा और वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जेवियर क्रेमाडेस ने उन्हें 'मेडल ऑफ ऑनर' प्रदान किया। इस अवसर पर डोमिनिकन रिपब्लिक की महिला विभाग की मंत्री मायरा जिमेनेज भी उपस्थित थीं।इस मौके पर जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के राष्ट्रीय संयोजक रवि कांत ने कहा हमारे संस्थापक को मेडल ऑफ ऑनर जैसा प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलना न सिर्फ हमारे नेटवर्क के लिए ऐतिहासिक क्षण है बल्कि पूरे देश में बाल अधिकार आंदोलन के लिए मील का पत्थर है। यह इस तथ्य की एक बार फिर पुष्टि करता है कि बच्चों की आजादी व गरिमा की रक्षा के लिए कानूनी हस्तक्षेप एक बेहद सशक्त औजार है। वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन की ओर से मिली यह मान्यता पूरे देश में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के हजारों जमीनी कार्यकताओं की अनथक मेहनत का सम्मान है। हमें गर्व है और इससे भी ज्यादा हमें देश के प्रत्येक जिले को बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने के अभियान को जारी रखने की प्रेरणा मिली है। हम इस मिशन को और मजबूती से आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।ह्वभुवन ऋभु के सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में दायर 60 से ज्यादा जनहित याचिकाओं के नतीजे में कई ऐतिहासिक फैसले आए हैं जिसने देश में बाल अधिकार व बच्चों की सुरक्षा का पूरा परिदृश्य बदल दिया है। ऋभु की याचिका पर 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रैफिकिंग को पहली बार परिभाषित किया। साथ ही, 2013 में बच्चों की गुमशुदगी के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का जो ऐतिहासिक फैसला आया, उसने कानूनी तंत्र में गुमशुदा बच्चों के मामलों को देखने का तरीका ही बदल दिया। उनके कानूनी हस्तक्षेपों से बच्चों के ऑनलाइन एवं असल जीवन में होने वाले यौन शोषण को रोकने के लिए कानून बने और उन्होंने बच्चों से बलात्कार व बाल विवाह के खिलाफ कानूनों को मजबूती देने में भी अहम भूमिका निभाई।उन्होंने अपनी किताब ह्यव्हेन चिल्ड्रेन हैव चिल्ड्रेन टिपिंग प्वाइंट टू इंड चाइल्ड मैरेजह्ण में ह्यपिकेटह्ण रणनीति के जरिए बाल विवाह के खात्मे का समग्र रणनीतिक खाका पेश किया जिसे सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में जारी दिशानिदेर्शों में एक व्यापक मार्गदर्शिका के तौर पर मान्यता दी।मंथन भी इसी रणनीति पर अमल करते हुए साहिबगंज जिले को वर्ष 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। ऋभु के संघर्षों और उपलब्धियों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए डब्ल्यूजेए के अध्यक्ष जेवियर क्रेमाडेस ने कहा भुवन ऋभु का दृढ़ता से मानना है कि न्याय लोकतंत्र का सबसे मजबूत खंभा है और उन्होंने पूरा जीवन भारत व पूरे विश्व में बच्चों और यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए समर्पित कर दिया है। उनके प्रयासों ने लाखों-महिलाओं और बच्चों को बचाने के साथ ही एक ऐसा कानूनी ढांचा निर्मित किया है जिससे आने वाली पीढ़ियां भी सुरक्षित रहेंगी। यह पुरस्कार कानूनी हस्तक्षेपों के जरिए बच्चों के लिए एक निरापद और बेहतर दुनिया बनाने के उनके प्रयासों का सम्मान है।

एलए ओलंपिक 2028 : उद्घाटन और समापन समारोह दो ऐतिहासिक स्टेडियमों में होंगे आयोजित

एजेंसी

लॉस एंजेलिस : लॉस एंजेलिस मेमोरियल कोलिज़ियम और इंग्लवुड स्थित सोफी स्टेडियम 2028 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के उद्घाटन और समापन समारोहों की मेजबानी करेंगे। एलए28 आयोजकों ने गुरुवार को उक्त घोषणा की।

दो स्टेडियमों में होगा ओलंपिक का उद्घाटन समारोह

14 जुलाई 2028 को होने वाला ओलंपिक उद्घाटन समारोह पहली बार दो स्थानों झ ऐतिहासिक कोलिज़ियम और आधुनिक सोफी स्टेडियम झ में साझा रूप से आयोजित होगा। कोलिज़ियम ओलंपिक इतिहास में तीन बार खेलों की मेजबानी करने वाला पहला स्थल बन जाएगा।

एलए की विरासत और भविष्य का होगा संगम

एलए28 के चेयरपर्सन और प्रेसिडेंट केसी वासरमैन ने एक बयान में कहा, ह्ये दोनों स्थल

लॉस एंजेलिस की खेल विरासत और तकनीकी प्रगति का प्रतीक हैं। दुनियाभर से आने वाले दर्शकों के लिए यह अनुभव अविस्मरणीय होगा। समापन समारोह कोलिज़ियम में, पैरालंपिक का विशेष आयोजन 30 जुलाई को ओलंपिक का समापन समारोह कोलिज़ियम में आयोजित किया जाएगा, जिसे आयोजनकर्ता 'अविस्मरणीय उत्सव' बता रहे हैं। 15 अगस्त को पैरालंपिक का उद्घाटन समारोह सोफी स्टेडियम में होगा, जबकि समापन समारोह 27 अगस्त को कोलिज़ियम में सम्पन्न होगा।

एलए तीसरी बार ओलंपिक और पहली बार करेगा पैरालंपिक की मेजबानी

लॉस एंजेलिस ने इससे पहले 1932 और 1984 में ओलंपिक की मेजबानी की थी। लेकिन 2028 पहली बार होगा जब यह शहर पैरालंपिक खेलों की भी मेजबानी करेगा।

आयोजकों ने कहा, ह्यपैरालंपिक समापन समारोह एलए28 खेलों की अंतिम यादगार झलक होगा, जो ओलंपिक और पैरालंपिक आंदोलन को लॉस एंजेलिस से स्थायी रूप से जोड़ देगा।ह्व

लॉन्ग बीच और हॉलीवुड में भी होंगे आयोजन

एलए28 ने पिछले महीने कुछ अन्य आयोजन स्थलों की भी घोषणा की थी। बीच वॉलीबॉल की प्रतियोगिताएं लॉन्ग बीच के अलामिटोस बीच पर होंगी, जबकि स्क्वैश खेल हॉलीवुड के यूनिवर्सल स्टूडियो में अपनी ओलंपिक शुरूआत करेगा।

नीरज चोपड़ा ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक 2025 में लेंगे हिस्सा, दो बार चोट के कारण रह चुके हैं बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस साल 24 जून को चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा शहर में होने वाले गोल्डन स्पाइक 2025 एथलेटिक्स मीट में हिस्सा लेंगे। इससे पहले वह 2023 और 2024 के संस्करणों से चोट के चलते हट गए थे, लेकिन इस बार वह तीसरी बार में किस्मत आजमाने उतरेंगे।

दो बार नहीं खेल पाए, अब कोच के देश में दिखेगा जलवा

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा पिछले दो वर्षों में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे, हालांकि वह 2024 में विशेष अतिथि के

रूप में वहां मौजूद रहे थे। इस बार यह मुकाबला खास इसलिए भी होगा क्योंकि यह उनके दिग्गज कोच और पूर्व विश्व चैंपियन जान जेलेजनी के होमग्राउंड पर खेला जाएगा। जेलेजनी खुद इस टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं। नीरज ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं यह घोषणा करते हुए उत्साहित हूं कि मैं इस साल ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक मीट में हिस्सा लूंगा। यह एक ऐतिहासिक प्रतियोगिता है और इस बार यह और भी खास होगी। मेरे कोच जान जेलेजनी ने यहां कई बार जीत दर्ज की है और अब वह टूर्नामेंट के निदेशक भी हैं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड मीट का हिस्सा है गोल्डन स्पाइक

गोल्डन स्पाइक मीट 1961 से आयोजित हो रहा है और यह वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड लेबल प्रतियोगिता है, जो डायमंड लीग के बाद दुनिया की दूसरी सबसे अहम सिरीज मानी जाती है। इस बार नीरज का मुकाबला 2020 ओलंपिक रजत पदक विजेता और चेक गणराज्य के ही याकुब वाडलेच जैसे शीर्ष खिलाड़ियों से होगा।

इससे पहले दो बड़े मुकाबलों में उतरेंगे नीरज

गोल्डन स्पाइक से पहले नीरज 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 24 मई को बेंगलुरु में होने वाले पहले ह्यनीरज चोपड़ा क्लासिकह्व में नजर आएंगे। उन्होंने दक्षिण कोरिया के गुमी में 27 से 31 मई के बीच होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है।

जेसन रॉय की रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी, काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए खेलेंगे

एजेंसी

लंदन : इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जेसन रॉय एक बार फिर रेड-बॉल क्रिकेट में उतरने के लिए तैयार हैं। उन्हें इस हफ्ते वारविकशायर के खिलाफ एजबेस्टन में होने वाले काउंटी चैंपियनशिप मुकाबले के लिए सरे की टीम में शामिल किया गया है। चार साल बाद वापसी, पिछली बार 2020 में खेले थे रेड-बॉल मैच 34 वर्षीय रॉय ने अब तक 87 रेड-बॉल मैचों में 36.46 की औसत से 9 शतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 143 (लंकाशर के खिलाफ, 2015) है। हालांकि, उन्होंने आखिरी बार 2020 की कोविड प्रभावित गर्मियों में बॉब विलिस ट्रॉफी में हैम्पशायर के खिलाफ यह फॉर्मेट खेला था।

टेस्ट में नहीं चल पाए थे रॉय

2019 विश्व कप में इंग्लैंड की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद रॉय को टेस्ट टीम में मौका मिला था। उन्होंने आयरलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट खेले

लेकिन आठ पारियों में महज 13.75 की औसत से रन बना सके। ऑस्ट्रेलियाई पेस अटैक के सामने उनकी तकनीक नाकाम साबित हुई और आखिरकार उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया।

सफेद गेंद प्रारूप में गिरती लोकप्रियता का असर

रॉय की वापसी उनके टी20 करियर की घटती चमक को भी दशार्ती है। 2023 में भारत में हुए वनडे विश्व कप में उन्हें इंग्लैंड की टीम से बाहर रखा गया था और इस साल के आईपीएल के लिए भी उन्हें नहीं चुना गया। वह 2020, 2022 और 2024 में निजी कारणों से आईपीएल से हट चुके हैं। आखिरी बार उन्होंने मार्च 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे खेला था।

सरे को बल्लेबाजों की कमी, रॉय से उम्मीदें

सरे टीम को इस मुकाबले में ओली पोप, जेमी स्मिथ और गस एटकिंसन जैसे ईसीबी-कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी झेलनी पड़ेगी, जिन्हें ज़िम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टेस्ट से पहले आराम दिया गया है। ऐसे में जेसन रॉय को मौका मिला है।

डिवीजन वन तालिका में सरे फिलहाल तीसरे स्थान पर है, जबकि वारविकशायर दूसरे और नॉटिंघमशायर पहले नंबर पर है। पिछली बार सरे ने समरसेट को तीन दिन में हराकर लय हासिल की है। टीम को इस मैच में अपने विदेशी खिलाड़ियों नाथन स्मिथ और कर्टिस पैटरसन से मजबूती से मिली है, साथ ही तेज गेंदबाज टॉम लॉज भी इस सीजन पहली बार टीम में लौटे हैं।

द केरल स्टोरी को दो साल पूरे, अदा शर्मा ने कहा, लड़कियों की रोल मॉडल बनने पर खुश हूं

5 मई 2023 को बड़े पर्दे पर एक फिल्म रिलीज हुई, जिसका नाम है द केरल स्टोरी... इस फिल्म को लेकर खूब बवाल मचा। फिल्म की कहानी केरल की चार लड़कियों के धर्मांतरण पर आधारित है। फिल्म में लव जिहाद, हिजाब और आईएसआईएस जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते इस फिल्म को काफी विरोध का सामना करना पड़ा। आज इस फिल्म को रिलीज हुए दो साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस अदा शर्मा ने आईएएनएस से बात की और बताया कि क्यों यह फिल्म आज भी दर्शकों के दिलों में बसी हुई है।

अदा ने कहा, दर्शक और बॉक्स ऑफिस नाम, पैसे या पारिवारिक पहचान नहीं देखते। वे काम और मेहनत देखते हैं। मैं दर्शकों की आभारी हूं। मैं ऐसे बहुत से लोगों से मिलती हूं, जिन पर फिल्म ने गहरा असर डाला है और सबसे प्यारी बात, जिसकी मुझे बहुत खुशी है कि मैं देश की लड़कियों और महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बन पाई हूं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी कुछ बीटीएस फोटोज शेयर की। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में अदा के शरीर पर चोटों और घावों के निशान साफ नजर आ रहे हैं, जो उनके किरदार का हिस्सा थे। इन फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, इंसान का दिमाग 75 प्रतिशत पानी से बना होता है। पानी की कमी से आपका फोकस, मेमोरी और सोचने की शक्ति पर असर पड़ सकता है। फिल्म द केरल स्टोरी के लिए मुझे कुछ अच्छा पोस्ट करना है, लेकिन इतने सारे फोटोज और वीडियोज हैं कि समझ नहीं आ रहा क्या पोस्ट करूं। सबके साथ बहुत सारे इमोशन्स जुड़े हुए हैं। 5 मई को आपने इतिहास रच दिया। थैंक यू आप सभी को! द केरल स्टोरी में अदा शर्मा ने एक हिंदू परिवार की लड़की शालिनी उन्नीकृष्णन का किरदार निभाया था, जो नर्स बनने का सपना लेकर घर से दूर एक कॉलेज में आती है। यहां उसकी मुलाकात आसिफा से होती है। जैसे-जैसे फिल्म की कहानी आगे बढ़ती है तो पता चलता है कि आसिफा आईएसआईएस के लिए लड़कियां भेजने का काम करती है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे आसिफा अपने साथियों की मदद से लड़कियों को अपना धर्म बदलने के लिए उकसाती है। यह फिल्म 5 मई, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और साल की नौवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई। फिल्म के निर्देशक सुदीप्तो सेन और निर्माता विपुल अमृतलाल शाह हैं।

'केसरी वीर' की रिलीज डेट आगे बढ़ी

फिल्म 'केसरी वीर-लीजेंड ऑफ सोमनाथ' 16 मई 2025 को थिएटर में रिलीज होने वाली थी, अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। पिछले दिनों सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय अपनी फिल्म 'केसरी वीर' का प्रमोशन करते नजर आए। यह फिल्म पहले 16 मई 2025 को रिलीज होने वाली थी। अचानक इस फिल्म की रिलीज डेट बदल दी गई है। जानिए, फिल्म 'केसरी वीर' की नई रिलीज डेट क्या है?

क्या है फिल्म की कहानी-किरदार

फिल्म 'केसरी वीर' में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली ने योद्धाओं के रोल किए हैं वहीं विवेक ओबेरॉय खलनायक के रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'केसरी वीर' की कहानी की बात की जाए तो इसमें सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले की एक ऐतिहासिक कहानी दिखाई जाएगी। कैसे कुछ योद्धाओं ने इस मंदिर की रक्षा की थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस अकांक्षा शर्मा भी नजर आंएगी। फिल्म 'केसरी वीर' को प्रिंस धीमान निर्देशित कर रहे हैं।

चर्चा में सूरज पंचोली-सुनील शेट्टी का लुक

फिल्म 'केसरी वीर' के टीजर-ट्रेलर की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा भी हुई है। इस फिल्म में सूरज पंचोली और सुनील शेट्टी का लुक भी काफी हटकर है। एक्शन सींस भी बड़ी संख्या में फिल्म के ट्रेलर में दिखाए गए है। फिल्म 'केसरी वीर-लीजेंड ऑफ सोमनाथ' 16 मई 2025 को थिएटर में रिलीज होने वाली थी, अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। जानिए, अब कब रिलीज होगी फिल्म 'केसरी वीर'।

मल्लिका का हेल्थ फंडा

वीडियो शेयर कर बताया क्या पीने से मिलती है नेचुरल एनर्जी?

बॉलीवुड की खूबसूरत और फिट अभिनेत्रियों में शामिल मल्लिका शेरावत को देखकर उम्र का अंदाजा लगाना आसान नहीं है। 48 की उम्र में वह अपनी उम्र से कई साल छोटी ही लगती हैं। इसके पीछे की वजह है, उनका सीक्रेट फिटनेस ड्रिंक! जिसका खुलासा उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। मल्लिका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि क्या पीने से शरीर को नेचुरल एनर्जी मिलती है? इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में मल्लिका कुछ पीती नजर आ रही हैं। वीडियो की शुरुआत करते हुए वह कहती हैं, ÷सभी को गुड मॉर्निंग, मैं आप सभी के साथ एक हेल्थ टिप शेयर करना चाहती हूं। मैं जब जागती हूं तो सबसे पहले नींबू को गुनगुने पानी में निचोड़कर पीती हूं। यह हेल्थ के लिए अच्छा होता है। इस वीडियो को शेयर करते हुए मल्लिका ने कैप्शन में लिखा- सुबह की शुरुआत गुनगुने पानी और ताजे नींबू के साथ करें। यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है, शरीर को हाइड्रेट करता है और आपको नेचुरल एनर्जी देता है। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो मल्लिका हरियाणा के रोहतक से हैं। उनका असली नाम रीमा लांबा है। एक्ट्रेस के पिता चाहते थे कि वह आईएएस ऑफिसर बनें, लेकिन उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया।

रेड 2 की सफलता से वाणी कपूर बेहद खुश, बोलीं - ये सब सपने के सच होने जैसा

2018 की हिट फिल्म रेड का सीक्वल रेड 2 सिनेमाघरों में धमाल मचा रहा है। इसका जलवा बॉक्स ऑफिस पर साफ देखा जा सकता है। रविवार को फिल्म ने 70.50 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह 100 करोड़ क्लब की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। फिल्म की कमाई से स्टार कास्ट काफी खुश है। वाणी कपूर भी! जिन्होंने मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाया है। वाणी कपूर काफी खुश हैं कि उनकी फिल्म रेड 2 सिर्फ चार दिनों में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई है। अभिनेत्री ने फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, बॉक्स ऑफिस पर सफलता पाना खास अहसास होता है, जैसे कोई सपना सच हो रहा हो। जब आप ऐसी फिल्म का हिस्सा बनते हैं जो दर्शकों से जुड़ती है, तो यह देखकर काफी अच्छा लगता है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर खुद को बेहद भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। वाणी फिल्म में अपनी एक्टिंग के लिए चारों ओर से तारीफें बटोर रही हैं। उन्होंने कहा, इस फिल्म की कहानी बहुत दमदार है। निर्देशक राज कुमार गुप्ता के साथ इस प्रोजेक्ट पर काम करना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है। इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे किरदार की सराहना के लिए आप सभी का धन्यवाद।

सोनू निगम के समर्थन में बोले शान

सार्वभौमिक भाषा है संगीत, इसे बांधना सही नहीं

गायक सोनू निगम का कन्नड़ विवाद सुर्खियों में छाया हुआ है। गीतकार प्रसून जोशी के बाद अब गायक शान ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी। शान ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान सोनू निगम का समर्थन करते हुए कहा कि संगीत सीमाओं से परे एक सार्वभौमिक भाषा है, इसे किसी भी सीमा में बांधना सही नहीं है। एक म्यूजिक इवेंट में पहुंचे शान ने लोगों से धैर्य रखने की बात कही। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि उन्हें भी ऐसी ही चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। उनके कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे, जिस पर विवाद भी हुआ था। शान का मानना है कि किसी भी कलाकार से दूसरी भाषाओं में प्रदर्शन करने की अपेक्षा करना गलत है। सोनू निगम विवाद के बारे में पूछे जाने पर शान ने कहा, ÷मेरे साथ भी ऐसी घटना हो चुकी है। दर्शकों को कलाकारों के प्रति सहनशीलता के साथ विनम्र होना पड़ेगा, क्योंकि संगीत एक सार्वभौमिक भाषा है। कई बार हम ऐसे गाने सुनते हैं जिनकी भाषा हमें समझ में नहीं आती। लेकिन गाना सुनने के बाद हमें एक अलग खुशी महसूस होती है और हम उसे गुनगुनाते हैं। संगीत का क्षेत्र बहुत बड़ा है। उन्होंने कहा, अगर आप किसी इवेंट के लिए गायक का चयन करते हैं तो आपको पता होगा कि वह किस भाषा में ज्यादातर गाने गाता है, फिर उससे दूसरी भाषा में जबरदस्ती गाना गाने के लिए कहना सही नहीं है। मैं यह बात केवल कर्नाटक के लिए नहीं कह रहा हूं, इसका संबंध पूरे देश से है। यह कोई नई बात नहीं है। ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं और हमें इस बारे में विचार करना पड़ेगा।

अमृतसर से जम्मू, पठानकोट से भुज तक पाकिस्तान के हमलों को नाकाम किया 'सुदर्शन चक्र' ने

दुश्मन के ड्रोनों और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने से भारत के शहरों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली : अमृतसर से जम्मू, पठानकोट से भुज तक पाकिस्तान के हमलों को नाकाम करके भारत के एयर मिसाइल डिफेंस सिस्टम 'सुदर्शन चक्र' ने अपनी ताकत दिखा दी है। भारत ने ऑपरेशन 'सिंदूर' शुरू करते समय ही दुश्मन के किसी भी जवाबी हमले को रोकने के लिए इस प्रणाली को सक्रिय कर दिया था, जिससे भारतीय लड़ाकू विमानों को सुरक्षित रूप से ऑपरेशन पूरा करने में मदद मिली। इस प्रणाली ने दुश्मन के ड्रोनों और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया, जिससे भारत के शहरों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। भारत के ऑपरेशन 'सिंदूर' से बौखलाए पाकिस्तान ने 8/9 मई की रात 8.30 बजे के करीब राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, गुजरात में वायु सेना के एयरबेस को निशाना बनाकर ड्रोन से मिसाइल हमले करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तानी ड्रोन को रोक दिया। पाकिस्तान ने सतवारी, सांबा, आरएस पुरा और अरनिया सेक्टर में 8 मिसाइलें दागीं, लेकिन सभी को भारतीय वायु रक्षा

इकाइयों ने हवा में ही निष्क्रिय कर दिया। जम्मू और कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट जम्मू, पठानकोट और उधमपुर के सैन्य स्टेशनों को पाकिस्तान ने मिसाइलों और ड्रोन का उपयोग करके निशाना बनाया, लेकिन भारतीय सेना के एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 (सुदर्शन) ने सभी हमलों को नाकाम कर दिया, जिससे कोई नुकसान नहीं हुआ। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में भी पाकिस्तानी ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर दिया गया। यूक्रेन से युद्ध के बीच रूस अब तक भारत को 3 एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति कर चुका है, जबकि दो सिस्टम अभी मिलने हैं। चौथी प्रणाली मार्च, 2026 में और पांचवीं प्रणाली 2026 के अंत तक पहुंचाई जाएगी। यह दो साल की देरी यूक्रेन संघर्ष के कारण आपूर्ति श्रृंखला संबंधी समस्याओं के कारण हुई है। भारतीय वायु सेना ने भगवान कृष्ण के शक्तिशाली सुदर्शन चक्र के नाम पर एस-400 को 'सुदर्शन चक्र' नाम दिया है। भारतीय एस-400 एयर डिफेंस की मिसाइलें 20 किलोमीटर, 30 किलोमीटर और 60 किलोमीटर की ऊंचाई तक जाकर दुश्मन की मिसाइल को हवा में ही खत्म कर सकती हैं। यह प्रणाली एक साथ दुश्मन की 80 मिसाइलों या हवाई हमलों का जवाब देने में सक्षम है।

चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए भारत को ताकतवर रूसी एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की बहुत जरूरत थी। भारत ने रूस के साथ पांच एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 खरीदने के लिए 35 हजार करोड़ रुपये में सौदा किया था, जिसे रूस और भारत के रक्षा मंत्रियों ने 06 दिसंबर, 2021 को अंतिम रूप दिया था। भारत के रक्षा बेड़े में शामिल इस रूसी डिफेंस सिस्टम से पूरी दुनिया खौफ खाती है। यह प्रणाली अपनी मिसाइलों से दुश्मन की बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों, लड़ाकू विमानों को 400 किमी. की दूरी तक तबाह कर सकती है। यह मिसाइल जमीन से 100 फीट ऊपर उड़ रहे खतरे की पहचान करके हमला करने में सक्षम है। भारत ने दो एस-400 स्क्वाड्रन को पूर्वी और उत्तरी सीमा पर तैनात किया है। तीसरी स्क्वाड्रन को पंजाब में इस तरह से तैनात किया गया है, ताकि पाकिस्तान की सीमा के साथ-साथ उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों को भी कवर किया जा सके।

सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक बड़ी घुसपैठ की कोशिश नाकाम

सांबा : सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर संदिग्ध आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को बीएसएफ ने नाकाम कर दिया है। सीमा सुरक्षा बल ने शुक्रवार को एक्स के माध्यम से कहा कि 8 मई देर रात बीएसएफ ने जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि गोलीबारी में कोई आतंकवादी मारा गया था या नहीं। अधिकारियों ने कहा कि सुबह इलाके में गहन तलाशी के बाद चीजें स्पष्ट हो जाएंगी। घुसपैठ की यह कोशिश उस दिन हुई जब भारत ने जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कुछ अन्य स्थानों पर सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला करने की पाकिस्तानी सेना की कोशिश को नाकाम कर दिया क्योंकि व्यापक सैन्य संघर्ष की आशंकाओं के बीच दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

न्यूज IN ब्रीफ

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला हालात का जायजा लेने जम्मू पहुंचे

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला आज सुबह श्रीनगर से जम्मू पहुंचे। वो पाकिस्तान के विफल किए ड्रोन हमले के बाद की स्थिति का जायजा लेंगे। भारत ने रात को जम्मू, पठानकोट, उधमपुर और कुछ अन्य स्थानों पर मिसाइलों और ड्रोन से सैन्य ठिकानों पर हमला करने की पाकिस्तानी सेना की कोशिश को विफल कर दिया। व्यापक सैन्य संघर्ष की आशंका के बीच दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। यहां पहुंचने से पहले अब्दुल्ला ने एक्स पोस्ट में कहा कि कल रात जम्मू शहर और संभाग के अन्य हिस्सों पर किए गए असफल पाकिस्तानी ड्रोन हमले के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए अब जम्मू जा रहा हूं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार सोमवार को स्कूलों को बंद करने के फैसले की समीक्षा करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय की स्थिति यह निर्धारित करेगी कि बंद को बढ़ाया जाएगा या नहीं और यदि हां तो कितने समय के लिए। जम्मू-कश्मीर की शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने मौजूदा हालात को देखते हुए गुरुवार को अगले दो दिनों के लिए स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया। गुरुवार रात अखनूर, सांबा, बारामूला और कुपवाड़ा और कई अन्य जगहों पर सायरन बजने और कई विस्फोटों की खबरें आईं। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के प्रयासों को विफल करने के बाद रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

चांदीपुर मिसाइल रेंज की सुरक्षा सख्त, डीआरडीओ कार्यालय में होगी आपात बैठक

बालासोर : देश में बने युद्ध जैसे हालात के मद्देनजर, रणनीतिक रक्षा परिसरों की सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार ने सतर्कता और कड़ी निगरानी के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में ईस्टर्न रेंज के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) डॉ सत्यजीत नायक ने शुक्रवार को दोपहर 2 बजे एक आपात बैठक बुलाने का निर्णय लिया है, जो चांदीपुर स्थित डीआरडीओ कार्यालय में आयोजित की जाएगी।

बैठक में खासतौर पर इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (आईटीआर) और प्रूफ एंड एक्सपेरिमेंटल एस्टेब्लिशमेंट (पीएक्सई) की सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की जाएगी। पीएक्सई परिसर को भारत की सामरिक परीक्षण क्षमता का अहम केंद्र माना जाता है और वर्तमान हालात में इसकी सुरक्षा बेहद अहम हो गई है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में रक्षा मंत्रालय से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, सैन्य खुफिया इकाइयां और स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि शामिल होंगे। पीएक्सई कैंपस के भीतर भी बैठक हो सकती है, ताकि जमीनी स्तर की सुरक्षा तैयारियों का प्रत्यक्ष आकलन किया जा सके।

नाला सफाई के काम को लेकर बिफरे मंत्री शेलार

मुंबई : भारी बारिश के दौरान बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए मुंबई महानगरपालिका की ओर से नालों की सफाई का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। मनपा की ओर से सफाई का काम बेहतर किए जाने के दावे किए जाते रहे हैं। हालांकि मुंबई उपनगर के पालक मंत्री आशीष शेलार ने काम को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों के काम पर सवाल उठाते हुए बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी से शिकायत करने की हिदायत दी है। आशीष शेलार ने गुरुवार को मुंबई के पश्चिमी उपनगरों में गजधर बांध नाला, एसएनडीटी नाला, इरला नाला, मोगरा और शहीद भगत सिंह नगर नाले का दौरा कर निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित मनपा अधिकारी और स्थानीय पूर्व नगरसेवक भी मौजूद थे। उन्होंने काम पर हैरानी जताते हुए कहा कि पिछले डेढ़ महीने में कुछ स्थानों पर 10 प्रतिशत से अधिक काम पूरा नहीं हुआ है. कुछ जगहों पर 20 से 30 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। कुल मिलाकर काम अविश्वसनीय है। उन्होंने नाला सफाई के दौरान वीडियो शूटिंग और फोटोग्राफी पर भी सवाल उठाए. क्योंकि अधिकारी फोटो और वीडियो दिखाने में असमर्थ रहे। शेलार ने कहा कि पिछले 35 दिनों में गजदरबांध के नाले का 10 प्रतिशत से अधिक काम पूरा नहीं हुआ है। शेष बचे महीने में यह कार्य कैसे पूरा किया जाएगा। कहीं 20 से 30 प्रतिशत तो कहीं 50 प्रतिशत की बात कही जा रही है, लेकिन अविश्वसनीय काम चल रहे हैं। शेलार ने कहा कि इस बारे में हम मनपा आयुक्त से बात करेंगे और कहेंगे कि वे खुद सड़कों पर आएं और काम का निरीक्षण करें। मुंबईवासियों को असुविधा से बचाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जानी चाहिए. ठेकेदारों को नाला सफाई का काम समय पर पूरा करना होगा। ठेकेदार काम की पूरी जानकारी देने को तैयार नहीं हैं।

जगन्नाथ मंदिर विवाद पर बोले दिलीप घोष दलबदलुओं से समझौता नहीं करूंगा

कोलकाता : दीघा के नवनीत निर्मित जगन्नाथ मंदिर जाकर दर्शन करने एवं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ मुलाकात को लेकर पार्टी नेताओं के जुबानी हमले झेल रहे भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष आरएसएस के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर साफ कह दिया है कि वह किसी के साथ समझौता नहीं करेंगे और अपनी पुरानी शैली में ही लड़ाई जारी रखेंगे। दिलीप घोष ने जगन्नाथ मंदिर दर्शन को लेकर उठे विवाद पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने यह साफ कर दिया कि भाजपा के भीतर जो नेता उनके खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं, वे अधिकतर तृणमूल से आए दलबदलू हैं और ऐसे लोगों के साथ वह कोई समझौता नहीं करेंगे। सूत्रों के अनुसार, दिलीप घोष गुरुवार को राज्य आरएसएस मुख्यालय ह्यकेशव भवनह्ल पहुंचे और वहां संघ के शीर्ष पदाधिकारियों से विस्तृत बातचीत की। इसमें उन्होंने पार्टी के मौजूदा हालात, उनके खिलाफ उठ रही आवाजें और उन दलबदलू नेताओं की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। घोष ने आरएसएस को स्पष्ट तौर पर बताया कि उनकी लड़ाई जारी रहेगी और वह अकेले ही उसका सामना करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें भाजपा में भेजने वाला आरएसएस ही था, यदि संघ चाहे तो वह उन्हें पार्टी से वापस बुला सकता है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि पार्टी में जो लोग उनके खिलाफ माहौल बना रहे हैं, उन्हें संघ समझाए। घोष ने कहा, मुझे आरएसएस ने बुलाया था, मैंने जाकर सब कुछ स्पष्ट कर दिया। दरअसल, हाल ही में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निमंत्रण पर दिलीप घोष ने दीघा में जगन्नाथ मंदिर जाकर दर्शन किए थे। इसके बाद भाजपा के कुछ दलबदलू नेताओं ने उन पर हमले शुरू कर दिए और उन्हें पार्टी विरोधी ठहराने की कोशिश की।

पाकिस्तान के तीन बंदरगाहों कराची कासिम, ग्वादर में हाई अलर्ट

कराची : पड़ोसी भारत के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के कारण पाकिस्तान ने मुल्क के तीन प्रमुख बंदरगाहों कराची, कासिम और ग्वादर में हाई अलर्ट जारी किया है। साथ ही यहां मछली पकड़ने पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। द नेशन अखबार की खबर के अनुसार, एहतियात के तौर पर समुद्र में मौजूद सभी मछली पकड़ने वाली नावों और ट्रॉलरों को गुरुवार को वापस बुला लिया गया। हाई अलर्ट हटाए जाने तक मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लागू रहेगा। अधिकारियों ने मछुआरों से समुद्र में जाने से परहेज करने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने कहा कि सभी प्रमुख बंदरगाहों पर सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है।

देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा कड़ी, सभी यात्रियों की बोर्डिंग से पहले होगी अतिरिक्त जांच

एजेंसी

नई दिल्ली, 08 मई (हि.स.)। देश की वर्तमान सुरक्षा स्थिति को देखते हुए नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारत के सभी हवाई अड्डों और एयरलाइनों को सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश जारी किए हैं। नए दिशानिदेर्शों के अनुसार, अब हर यात्री को उड़ान में सवार होने से पहले ₹सेकेंडरी लैडर पॉइंट चेक₹ (एसएलपीसी) से गुजरना अनिवार्य होगा। यह प्रक्रिया बोर्डिंग गेट पर अंतिम जांच सुनिश्चित करती है ताकि किसी भी संभावित खतरे को रोका जा सके।

साथ ही, हवाई अड्डों के टर्मिनल भवनों में विजिटर्स के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से जुड़े सूत्रों ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एयर मार्शलों की तैनाती भी की जाएगी ताकि किसी भी अप्रत्याशित गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। इस आदेश के बाद देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पूर्व अतिरिक्त समय लेकर एयरपोर्ट पहुंचे और आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें। वहीं, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो के निर्देश के तहत एयर इंडिया, आकासा एयर समेत कई एयरलाइनों ने यात्रियों के लिए नई यात्रा सलाह (ट्रैवल एडवाइजरी) जारी की है। एयर इंडिया ने अपने आधिकारिक ट्वीट में कहा, ₹नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो द्वारा देशभर के हवाई अड्डों पर सुरक्षा उपायों को सख्त करने के आदेश के मद्देनजर, सभी यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी निर्धारित उड़ान के कम से कम 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें, ताकि चेक-इन और बोर्डिंग की प्रक्रिया सुगम बनी रहे। उड़ान से 75 मिनट पहले चेक-इन काउंटर बंद कर दिया जाएगा। वहीं, आकासा एयर ने भी एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए कहा, ₹बढ़ी हुई सुरक्षा जांच को ध्यान में रखते हुए, कृपया उड़ान से 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचें। प्रवेश के लिए सरकारी मान्यता प्राप्त फोटो पहचान पत्र अपने साथ रखें।

रवींद्र जयंती पर ममता बनर्जी ने दी श्रद्धांजलि, कहा-हर दिन हमारे जीवन में हैं गुरुदेव

कोलकाता : रवींद्रनाथ ठाकुर की जयंती के अवसर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक भावनात्मक संदेश साझा किया। उन्होंने कहा कि केवल 25 बैशाख आज की बंगाली तारीख) ही नहीं, बल्कि हर दिन गुरुदेव हमारे जीवन, भाषा और आशा में जीवंत हैं। ममता बनर्जी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से रवींद्रनाथ ठाकुर की प्रसिद्ध कविता ₹ जहां मन में कोई भय ना हो...₹ की कुछ पंक्तियां साझा करते हुए लिखा– कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर के जन्मदिवस पर हमारे प्राणों के ठाकुर को हम अपनी अंतरतम श्रद्धा और प्रणाम अर्पित करते हैं। उन्होंने आगे लिखा, ₹सिर्फ 25 बैशाख नहीं, प्रतिदिन हम उन्हें स्मरण करते हैं। हमारे दिशा, हमारी भाषा, हमारी आशा– हर कुछ में वे ही हैं। पूरी दुनिया आज भी उनकी रचनाओं के आलोक से आलोकित हो रही है।₹ गौरतलब है कि कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर का जन्म सात मई 1861 को हुआ था, जो बंगाली पंचांग के अनुसार 25 बैशाख को पड़ता है। इसी दिन को बंगाल सहित देश-विदेश में 'रवींद्र जयंती' के रूप में मनाया जाता है। ठाकुर की रचनाएं आज भी सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का मार्गदर्शन करती हैं।

छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने और वज्रपात की चेतावनी

एजेंसी

रायपुर : रायपुर में आज शुक्रवार को आकाश आंशिक मेघमय रहने और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। अधिकतम 41त्ड और न्यूनतम तापमान 26त्ड के आसपास रहने की संभावना है।आने वाले दो दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं लगातार बढ़ती गर्मी से परेशान लोगों को अब मौसम में आए इस बदलाव से राहत मिल सकती है। बारिश और तेज हवाओं के कारण तापमान में गिरावट हो सकती है जिससे लोगों को मई की इस भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में आज एक दो स्थानों पर हलकी वर्षा, गरज चमक के साथ छींटें पड़ने की संभावना है। साथ ही कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने और वज्रपात होने की

संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ वर्तमान में एक चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण के रूप में ईरान के ऊपर लगभग 3.1 किलोमीटर की ऊंचाई पर सक्रिय है। इसका अक्ष मध्य और उपरी क्षोभमंडल में 56 डिग्री पूर्व और 27 डिग्री उत्तर अक्षांश पर स्थित है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता उत्पन्न हो रही है। इसके अतिरिक्त, एक पूर्व-पश्चिम दिशा में फैली द्रोणिका उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश से उत्तर छत्तीसगढ़ तक लगभग 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है, जिसके चलते नमी बनी हुई है। साथ ही, एक उत्तर-दक्षिण दिशा की द्रोणिका दक्षिण तेलंगाना से मन्नार की खाड़ी तक फैली हुई है, जो भी लगभग 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक सक्रिय है। इन सभी प्रणालियों के कारण वातावरण में नमी और अस्थिरता बढ़ रही है, जिससे बादल गरजन, बारिश और तापमान में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। पिछले 24 घंटों में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा दर्ज की गई। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान दुर्ग में 39.5 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम न्यूनतम तापमान जगदलपुर में 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

निराश्रित चार गोवंश पालने को पाए छह हजार रुपए महीना

मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना का उठाएं लाभ गरीब परिवार

एजेंसी

प्रयागराज : गौसेवा कर पुण्य अर्जित करने के साथ ही गरीब परिवारों को ?चार निराश्रित गौवंशों का पालन पोषण करने पर योगी सरकार प्रत्येक पशुपालक को छह हजार रुपए प्रतिमाह डीवीटी के माध्यम से भुगतान कर रही है। यह अपील शुक्रवार को प्रयागराज मुख्य पशु ?चिकित्साधिकारी डॉ. शिवनाथ यादव ने जनपद वासियों से की है।

उन्होंने बताया कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह निर्देश दिए कि जिन गरीब परिवारों के पास पशुधन नहीं है, उन्हें ह्यमुख्यमंत्री निराश्रित गौवंश सहभागिता योजनाह्ल के अन्तर्गत गाय उपलब्ध करायी जाए। इससे परिवारों को एक ओर जहां गोसेवा का पुण्य प्राप्त होगा, वहीं दूसरी ओर दूध की उपलब्धता से परिवार के पोषण स्तर में भी सुधार होगा।

कहां और कैसे मिलेंगे निराश्रित गोवंश

डॉ.शिवनाथ यादव ने जनपद के सभी विकासखंड क्षेत्र में स्थित पशु चिकित्सक से सम्पर्क करें और उनसे निराश्रित आश्रय स्थल पर पल रही दुधारू गोवंश को लेने के लिए वार्ता करें। चिकित्सकों द्वारा बताए गए प्रोफार्मा लेकर उसे भरकर जमा करें, जिसके बाद सुपुर्दगी, सहभागिता योजनान्तर्गत स्थाई एवं अस्थाई गौ–आश्रय स्थलों में संरक्षित निराश्रित बेसहारा गौवंश को इच्छुक किसान, पशुपालक और पोषण मिशन के तहत कुपोषित परिवार को दुधारू निराश्रित गौवंश को सुपुर्दगी में दिया जा रहा है। सुपुर्दगी में दिये गये गौवंश के भरण–पोषण के लिए सरकार प्रत्येक गौवंश पर 50 रुपये और चार गोवंश पर दो सौ रुपये प्रतिदिन का भुगतान डीवीटी के माध्यम से खाते में करेंगी।

उडी में पाकिस्तान गोलाबारी की चपेट में आने से एक महिला की मौत

एजेंसी

जम्मू : पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश को भारतीय सेना ने पूरी तरह विफल कर दिया है। नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी के साथ-साथ पाकिस्तान ने स्वार्म ड्रोन के जरिये संवेदनशील सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था लेकिन सतर्क सेना व अन्य सुरक्षाबलों की जबावी रणनीति के सामने उसकी हर प्रहार को नाकाम कर दिया। इसी बीच बारामुला जिलें के उडी में पाकिस्तान द्वारा की गई भारी गोलाबारी में एक महिला की मौत हो गई है जबकि एक अन्य घायल हो गई है। घायल को उपचार के लिए अस्ताल पहुंचाया गया है जहां पर उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। कश्मीर घाटी से लेकर जम्मू संभाग तक सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं। इस बीच सीमा पर

पेयजल, प्रधानमंत्री आवास और ग्रामीण रोजगार को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

जनहित के कामों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी : मुख्यमंत्री

एजेंसी

सूरजपुर / रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में गुरुवार की देर शाम को सूरजपुर जिले के जिला पंचायत सभागार में सूरजपुर, कोरिया और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित हुई। मुख्यमंत्री ने बैठक में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त शिकायतों के अनुसार जिन हैंडपंपों में मरम्मत की आवश्यकता है, उन्हें 10 दिवस के भीतर दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि हैंडपंपों में राइजिंग पाइप का विस्तार कर जल्द मरम्मत की व्यवस्था की जाए, जिससे ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों राजस्व प्रकरणों

का शीघ्रता से निराकरण करने के साथ ही स्वामित्व योजना के अंतर्गत अधिकार अभिलेखों का वितरण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और नक्शा बंटांकन जैसे मामलों का शीघ्र निराकरण करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की प्राथमिकता वाली योजना है। इसकी प्रगति पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। इस योजना के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि कोई हितग्राही प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करता है तो उसके द्वारा मकान बनाने के लिए परिवहन की जा रही रेत के वाहन को खनिज विभाग द्वारा नहीं रोका जाना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना के मामले में किसी भी तरह की कोई भी गड़बड़ी पर संबंधितों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि जो आवास मित्र अपने कार्यों में लापरवाही बरत रहे हैं, उनके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि आगामी में प्रधानमंत्री आवासों की संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना है, ऐसे में अधिक से अधिक प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की आवश्यकता होगी। इसके लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत राजमिस्त्रियों को भवन निर्माण की सेट्रिंग और मेशन का प्रशिक्षण सुनिश्चित दिया जाए, जिससे उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें और निर्माण कार्य भी तीव्र गति से पूरे होंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आमजन तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता में गांव, गरीब और किसान हैं, जिनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, जिला पंचायत सूरजपुर की अध्यक्ष इंदुमणी पैकरा, विधायक भैयालाल राजवाड़े, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजु एस., जिले के प्रभारी सचिव भुवनेश यादव, सरगुजा संभाग के आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर सूरजपुर, कोरिया और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, तीनों जिलों के पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

पश्चिम सिंहभूम के उपायुक्त के नाम बना बना फर्जी अकाउंट

बिनय मिश्रा : पश्चिम सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी के नाम पर फर्जी अकाउंट और भदोहन के लिए साइबर अपराधियों के द्वारा एक षड्यंत्र रच कर उनके फर्जी अकाउंट के नाम पर एक षड्यंत्र रचा गया है, इसकी जानकारी जिला प्रशासन को होने के साथ ही उन्होंने इस संदर्भ में जिला वासियों को अलर्ट करते हुए इसकी जानकारी दी है और इस फर्जी अकाउंट बनाने की सूचना के साथ-साथ ऐसे भ्रामक षड्यंत्र से बचने की सलाह भी दी है।

शुभ विवाह संपन्न

चक्रधरपुर चांदमारी हनुमान मंदिर के प्रख्यात पुजारी शशि भूषण मिश्रा की सुपुत्री आयुष्मती निधि का शुभ विवाह बाघमारा धनबाद निवासी सत्येन्द्र मिश्रा के सुपुत्र चिरंजीवी पंकज मिश्रा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने वर वधू को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर बीएम न्यूज के संपादक विनय मिश्रा एवं युवा व्यवसायी सह समाजसेवी विनोद जायसवाल भी उपस्थित रहे।

मादक पदार्थों की तस्करी एवं दुरुपयोग को रोकने को लेकर बैठक संपन्न

दुमका : जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में गुरुवार को मादक पदार्थो की तस्करी/दुरूपयोग को रोकने हेतु जिला ठउडफ्ळ समिति की बैठक संपन्न की गयी।

बैठक में उपायुक्त द्वारा कुल 33 विषयों पर चर्चा करते हुए सभी संबंधित को निदेश दिया गया कि मादक पदार्थ यथा अफीम,ब्राउन शुगर,गांजा आदि की खेती एवं विक्रय पर खास नजर रखी जाए।जिले के सभी थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया कि इस प्रकार की मामलों की सतत निगरानी की जाए एवं जहां भी इस प्रकार के मामले संज्ञान में आते हैं उक्त व्यक्ति को चिन्हित कर आवश्यक कानूनी करवाई निश्चित रूप से की जाए।

बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि स्कूल कॉलेज में इस संबंध में आवश्यक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाए साथ ही शिक्षण संस्थानों में इन मादक पदार्थों की तस्करी नहीं हो इस पर विशेष ध्यान रखा जाय।

पुलिस अधीक्षक को समय-समय पर इस संबंध में छापेमारी कराते हुए दोषी व्यक्ति को चिन्हित कर कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने हेतु सभी संबंधित विभाग,कार्यालय जिला स्तर पर जागरूकता प्रसार हेतु समेकित कार्य योजना तैयार करते हुए उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक दुमका,वन प्रमंडल पदाधिकारी दुमका, अनुमंडल पदाधिकारी दुमका एवं इससे संबंधित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय की नई कुलपति ने किया पदभार ग्रहण

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका की नई कुलपति प्रो. (डॉ.) कुनुल कंदीर ने गुरुवार को अपने पद का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. बिमल प्रसाद सिंह से पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कई अधिकारी मौजूद थे। कार्यभार ग्रहण के समय डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. जैनेंद्र यादव, रजिस्ट्रार डॉ. राजीव कुमार, सीसीडीसी डॉ. अब्दुस सत्तार, वित्त सलाहकार श्री बृजनंदन ठाकुर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जयकुमार साह, वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा सहित विश्वविद्यालय के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। सभी ने नई कुलपति को शुभकामनाएं दीं। गौरतलब है कि मंगलवार को राजभवन की ओर से डॉ. कुनुल कंदीर को विश्वविद्यालय की कुलपति नियुक्त किया गया था। वे विश्वविद्यालय की 16वीं कुलपति बनी हैं और अब तक की तीसरी महिला कुलपति भी हैं। डॉ. कंदीर शिक्षा के क्षेत्र में काफी अनुभव रखती हैं। उन्होंने अलग-अलग शैक्षणिक संस्थानों में कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। अब उम्मीद है कि उनके अनुभव से विश्वविद्यालय को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय के लोगों में नई कुलपति को लेकर उत्साह है और सभी को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में संस्थान नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

डीसी ने रामतोलिया पंचायत के सोमेर गांव का किया निरीक्षण

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण के क्रम में कामडारा प्रखंड अंतर्गत रामतोलिया पंचायत स्थित सोमेर गांव का दौरा किया गया , इस अवसर पर उपायुक्त गुमला ने गांव में हुए कृषि एवं अन्य विकासात्मक कार्यों का निरीक्षण किया एवं ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

गांव भ्रमण के दौरान ग्रामीण महिलाओं ने उपायुक्त गुमला को बताया कि पूर्व में यह क्षेत्र पूरी तरह से बंजर था और यहां किसी प्रकार की कृषि नहीं होती थी। परंतु जिला प्रशासन एवं विभिन्न

सहयोगी संस्थाओं विशेषकर खरछठर और प्रदान संस्था के संयुक्त प्रयासों से आज गांव की तस्वीर बदल गई है। महिलाएं अब सक्रिय रूप से कृषि कार्यों में भागीदारी कर रही हैं तथा उन्होंने उपायुक्त गुमला को सामाजिक, जल संसाधन इत्यादि से संबंधित विभिन्न विकासात्मक मानचित्र भी प्रस्तुत किए।

ग्रामीणों ने बताया कि पहले संस्था के लोगों से संवाद में संकोच होता था, लेकिन निरंतर प्रयास एवं विश्वास निर्माण के कारण अब वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं , वर्तमान में गांव में बंजर भूमि का उपयोग कर आम बागवानी, रागी, धान, तरबूज आदि की खेती की जा रही है , लगभग 7.5 एकड़ बंजर भूमि पर 14 लाभुकों के माध्यम से आम बागवानी का कार्य संचालित है।

इसके अतिरिक्त ग्रामीणों ने जानकारी दी कि गांव में अब तक 70 से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त किया गया है , उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी ने आम बागवानी स्थल सहित अन्य कृषि क्षेत्रों का भी दौरा किया एवं ग्रामीणों को हर संभव प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया।

इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, पानी एवं बिजली से संबंधित समस्याओं को भी उपायुक्त गुमला के समक्ष रखा, जिस पर उपायुक्त ने त्वरित संज्ञान लेते हुए , संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के सहयोग हेतु आभार प्रकट किया।

इस दौरान मुख्य रूप से एसडीओ बसिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी कामडारा, अंचल अधिकारी कामडारा सहित अन्य सम्बंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहें।

संपन्न परिवारों का राशन कार्ड रद्द किया जाएं : उपायुक्त

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में गुरुवार को जिले के उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्यान्न वितरण प्रणाली की स्थिति की गहन समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि शत-प्रतिशत पीटीजी परिवारों के बीच खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि समाज के सबसे वंचित वर्ग को खाद्य सुरक्षा प्राप्त हो सके। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि सभी राशन कार्डधारियों का ई-केवाईसी कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि अपात्र लाभार्थियों की पहचान की जा सके। बैठक में उपायुक्त ने यह भी कहा कि जांच के उपरांत ऐसे संपन्न परिवार, जो राशन कार्ड के माध्यम से अनाधिकृत रूप से लाभ उठा रहे हैं, उनके राशन कार्ड रद्द किए जाएं। इसके अलावा, पिछले एक वर्ष से जिन लाभुकों द्वारा राशन का उठाव नहीं किया गया है, उनके राशन कार्ड विलोपित करने का कार्य आरंभ किया जाए।उपायुक्त ने कहा कि यह सभी कदम राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और प्रभावशीलता लाने के लिए जरूरी हैं।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी विशाल कुमार,सभी प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी,सभी सहायक गोदाम प्रबंधक आदि उपस्थित थे।

डॉ सौम्य सेनगुप्ता ने सीसीडीएसआई एवं आईसीसीएमडी मेटाबोलिक समिट 2025 में किया भारत का प्रतिनिधित्व

ज्योति पाठक

झारखंड के प्रख्यात मधुमेह विशेषज्ञ एवं जानकर तथा इस विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी बेहतर चिकित्सा एवं जानकारी का लोहा मनवा चुके सौम्य सेनगुप्ता ने भारत का प्रतिनिधित्व कर राज्य और पश्चिम सिंहभूम जिला का नाम गौरवान्वित किया है।

क्लिनिकल कार्डियो डायबिटिक सोसायटी ऑफ इंडिया (उउञक)

एवं इंडियन कॉलेज ऑफ कार्डियो डायबटोलॉजी एंड मेटाबोलिक डीजीसेस (कछउटऊ) के द्वारा महिलाओं में हाईपरटेंशन, गर्भावस्था में इसका प्रभाव और उसके बाद की स्थिति जैसे अति महत्वपूर्ण

विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया

यह 5 दिवसीय आयोजन मुंबई के समीप लक्षद्वीप मार्ग पर कार्डेलिया क्रूज में आयोजित हुआ, जिसमें देश विदेश के नामचीन चिकित्सकों ने हिस्सा लिया और उपर्युक्त विषय पर अपने अनुभवों को साझा किया,

डॉ सेनगुप्ता ने भी महिलाओं में गर्भावस्था के बाद हाईपरटेंशन के भिन्न रूप में प्रकट होने की स्थिति पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किया उन्होंने

बताया कि यह एक जटिल अंतःक्रिया है झ्र हार्मोनल बदलाव, वास्कुलर बायोलॉजी और लिंग-विशिष्ट जोखिमों का समावेश इसका मुख्य कारण है, उन्होंने जीवन शैली में बदलाव सहित इससे बचाव के अन्य उपाय भी बताए,

चिकित्सा क्षेत्र में देश के निरंतर सुधारात्मक प्रगति के दृष्टिकोण से इस कार्यशाला में चिकित्सकों के द्वारा विशेषरूप से भारत की अपनी स्वयं की इढ कट-ऑफ्स निर्धारित करने पर भी गंभीर चिन्तन किया गया,

उपस्थित चिकित्सकों की राय में

अब समय आ गया है कि भारतीय जन जीवन और पारिस्थितिक वातावरण में भारत को स्वयं भी इसका एक

मानक तय करना चाहिए विशेषकर गर्भावस्था मे, अधिकतर चिकित्सकों के अनुसार डीवीसी

ह्यवन-साइज फिट्स ऑलह्ल अब उपयुक्त और प्रासंगिक नहीं है साथ ही यह जोखिम भरा भी है, हमारी विशाल जनसंख्या और जीवन शैली की विभिन्नता के दृष्टिकोण से इसमें और अधिक सटीकता और वैयक्तिकता आवश्यकता है।

इस कार्यशाला में और भी कई महत्वपूर्ण सुधारात्मक विषयों पर चिकित्सकों की एकमत राय कायम हुई जिसका दूरगामी प्रभाव चिकित्सा क्षेत्र में दिखलाई देगा।

कदमा की समस्याओं का समाधान करेंगे सरयू

जमशेदपुर : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने बुधवार को कदमा क्षेत्र के शास्त्रीनगर के विभिन्न ब्लॉक, मरीन ड्राइव और सफाई डिपो का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं सुनीं और कई मुद्दों पर तत्काल समाधान का भरोसा दिलाया। भ्रमण के दौरान उन्होंने शौचालय, सामुदायिक भवन, पार्क, सफाई व्यवस्था और निर्माण कार्यों की जमीनी हकीकत का जायजा लिया।सबसे पहले राय शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर एक स्थित एक जर्जर शौचालय पहुंचे, जिसका उपयोग अब असामाजिक तत्वों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने इस भवन को तोड़कर जनहित में उपयोगी संरचना निर्माण का आश्वासन दिया। ब्लॉक नंबर चार के पास स्थित पार्क की दुर्दशा देखकर उन्होंने मरम्मत, सौंदर्यीकरण और ओपन जिम स्थापित करने की बात कही।उन्होंने यहां सांस्कृतिक कला केंद्र खोलने पर भी विचार करने की बात कही। सफाई डिपो के निरीक्षण में दर्जनों खराब कचरा उठाव गाड़ियों को देखकर उन्होंने चिंता जताई। सफाईकर्मियों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच करते हुए उन्होंने लापरवाही पर नाराजगी जताई।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में विद्यालय प्रमाणीकरण कार्यक्रम का आयोजन

दुमका : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से जेईपीसी रांची के प्रतिनिधि निशु प्रिया के नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका (प्लस टू जिला स्कूल दुमका) में दिनांक 06 मई 2025 से दिनांक 08 मई 2025 तक लगातार तीन दिनों तक विद्यालय प्रमाणीकरण के विभिन्न मानकों की गहनता से जाँच की गई।विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने बताया कि जेईपीसी के प्रतिनिधि द्वारा विद्यालय में छात्रों के सीखने के परिणामों, 75 प्रतिशत उपस्थिति,पुस्तकालय, सभी प्रयोगशाला का संचालन,खेलकूद एवं खेलकूद का मैदान, जल स्वच्छता और स्वास्थ्य, शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया, पाठ्येत्तर गतिविधियों का आयोजन, समुदाय और विद्यालय प्रबंधन समिति की भागीदारी, छात्र नेतृत्व, विद्यालय विकास योजना, समावेशी वातावरण, पोषण, छात्र कल्याण, सुरक्षा और स्वच्छता जैसे मानकों पर विद्यालय का मूल्यांकन किया गया। जेईपीसी राँची की प्रतिनिधि निशु प्रिया विद्यालय के ओभर ऑल गतिबिधियो से संतुष्ट नजर आई। निशु प्रिया ने बताया कि विद्यालय में उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल को विकसित करने एवं स्कूलों के बीच एक हेल्दी कंपटीशन के माध्यम से विद्यालय का सर्वांगीण विकास हेतु स्कूली शिक्षा एवं साक्षारता विभाग राँची द्वारा विद्यालय प्रमाणीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। निशु प्रिया ने बताया कि इसके लिए गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रॉन्ज तीन कैटेगरी बनाए गए हैं। इस प्रमाणीकरण कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करनेवाले विद्यालय को गोल्ड एवं उससे कम प्रदर्शन करने वाले विद्यालय को सिल्वर एवं ब्रॉन्ज के लिए चयनित किया जायेगा। कहा

कि इससे स्कूलों के बीच एक हेल्दी कंपटीशन होगा ताकि बच्चे शिक्षा के उच्च स्तर को प्राप्त कर सके। इस अवसर पर निशु प्रिया के करकमलों द्वारा पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ0 दिलीप कुमार झा द्वारा अपने माता पिता के स्मृति में शुरू किए गए अवार्ड से विद्यालय के ओभर ऑल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के होनहार छात्रा प्राची झा एवं छात्र ऐश्वर्य राज को शील्ड एवं दिव्या कुमारी , पियुष प्रताप, कोमल बनर्जी, साक्षी कुमारी, अनुष्का केशरी, कृष्णा चिरानीया, ऋषभ रक्षित एवं अभिनव खटीक को मैडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। मौके पर प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस,पूर्व प्रभारी प्राचार्य दिलीप कुमार झा, पूर्व प्रभारी प्राचार्य बब्बन कुमार, इंटर संकाय प्रभारी मुदस्सर सुल्तान, अमित कुमार पाण्डेय, संजीव कुमार सिंह, स्नेहलता मरांडी, राजीव कुमार गुप्ता,संजय कुमार सिन्हा, निवास रजक, लखी टुडू, अर्चना कुमारी, प्रकाश कुमार घोष, विद्यासुंदर नन्दी, शिवराम सिमोन टुडू,अनन्या बनर्जी, सुशीला किस्कू, दिलीप कुमार,तरन्नुम परवीन,राजेश कुमार साह, पवन कुमार, अशोक कुमार,हीरालाल बेसरा एवं आरिफ इकबाल के अलावे विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

सात साल में 3 हजार करोड़ खर्च, फिर भी हर साल ब्रेकडाउन

जमशेदपुर : कोल्हान प्रमंडल में बिजली की व्यवस्था में सुधार पर सात साल में 3 हजार करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी हर साल ब्रेक डाउन जारी है। हालत यह है कि तेज हवा में भी बिजली गुल हो जाती है। न तो तकनीकी खामियां दूर हो पाई और न कमजोर बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सका। गर्मी में लोड बढ़ने पर ट्रांसफॉर्मर जल जाते हैं। बरसात में लाइन ब्रेक डाउन जैसी समस्याएं सामने आती हैं। ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति का ग्राफ लगातार गिर रहा है। कई बार बिजली के बिना लोग 5 से 15 दिन तक जूझते रहते हैं।

राज्य सरकार हर साल बिजली नेटवर्क को मजबूत करने के लिए पूरे राज्य में 1500 से 2000 करोड़ रुपये खर्च करती है, लेकिन इसके बावजूद बिजली की उपलब्धता संतोषजनक नहीं हो पाई है। राज्य गठन से अबतक लगभग 40 हजार करोड़ बिजली नेटवर्क को सुधारने में खर्च किए गए हैं, फिर भी कई इलाके बिजली संकट से जूझ रहे हैं। 24 घंटे बिजली का दावा करता है विभाग झारखंड बिजली वितरण निगम का दावा है कि सभी जिलों में 24 घंटे निर्बाध बिजली दी जाएगी, लेकिन यह सिर्फ कागजों तक सीमित है। शहरी क्षेत्रों में 20-22 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 16-18 घंटे बिजली की आपूर्ति का दावा किया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि ग्रामीण इलाकों में यह समय 8-10 घंटे तक सीमित रहता है। पिछले 7 वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये बिजली की आधारभूत संरचना पर खर्च किए गए हैं, लेकिन स्थिति में कोई विशेष सुधार नहीं हुआ है। कई योजनाएं चला रही है राज्य सरकार झारखंड सरकार ने कई योजनाओं के तहत बिजली वितरण नेटवर्क को मजबूत करने की कोशिश की है। जैसे झारखंड संपूर्ण बिजली आच्छादन योजना के तहत 3430 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं, सौभाग्य योजना के तहत 472 करोड़ रुपये और दीनदयाल ग्राम ज्योति योजना के तहत 5500 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इन योजनाओं के तहत 25,000 गांवों में आधारभूत संरचना का विकास हुआ और 11 लाख 41 हजार उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली कनेक्शन प्रदान किया गया।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर सोसाइटी ने लगाया थैलेसीमिया विशेष रक्तदान शिविर

चेयरमैन, सचिव, संयुक्त सचिव समेत कई ने किया रक्तदान

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी के स्थापना दिवस और थैलेसीमीया दिवस पर गुरुवार को रेड क्रॉस सोसायटी के दुमका शाखा द्वारा ह्यह्यथैलेसीमिया विशेष रक्तदान शिविरह्लह्ल का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में रेड क्रॉस सोसायटी के चेयरमैन डॉ राजकुमार उपाध्याय, सचिव डॉ अमरेंद्र कुमार यादव, संयुक्त सचिव धर्मेंद्र सिंह बिट्टू एवं उनकी धर्मपत्नी सोना सिंह तथा कार्यकारिणी सदस्य अरविन्द कुमार सहित कई लोगों ने रक्तदान किया।

रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ अमरेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि थैलेसीमिया मरीजों की रक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह विशेष रक्तदान शिविर लगाया गया है। उन्होंने बताया कि दुमका ब्लड बैंक से 18 वर्ष तक के लगभग 65 थैलेसीमिया मरीज जुड़े हुए हैं जिनको हर महीने या महिने में दो बार रक्त की जरूरत होती है। कई बार थैलेसीमिया पीड़ित बच्चे के रक्त के लिए अभिभावक के भटकने की खबरें आ जाती है।

रेड क्रॉस सोसायटी के चेयरमैन डॉ राज कुमार उपाध्याय ने बताया कि दुमका ब्लड के रिकॉर्ड से पता चलता है प्रत्येक महिने थैलेसीमिया मरीजों को 60 से 80 युनिट ब्लड की जरूरत पड़ती है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए प्रत्येक माह थैलेसीमिया मरीजों के

लिए कम से कम एक रक्तदान शिविर आयोजित करने की योजना है। जिसके लिए विभिन्न संगठनों से समन्वय बनाया जा रहा है। इसके अलावा थैलीसिमिया मरीजों को डोनर के साथ टैग करने की योजना भी बनायी गयी है ताकि ऐसे मरीजों को रक्त के लिए भटकना नहीं पड़े। रेड क्रॉस सोसायटी के वाइस चेयरमैन मनोज कुमार घोष ने कहा कि थैलेसीमिया के अलावा डायलिसिस, एनेमिया, ऑपरेशन के मरीजों और प्रसव के दौरान भी रक्त की जरूरत पड़ती है। संयुक्त सचिव धर्मेंद्र सिंह बिट्टू और डॉ सिकन्दर कुमार ने 18 से 50 आयुवर्ग के सभी युवाओं को तीन माह के अंतराल पर रक्तदान करने का अपील किया है। जो भी लोग रक्तदान करते हैं, वह समाज के लिए एक बेतरीन मिशाल हैं। उन्होंने दुमका वासियों से अपील किया कि ज्यादा से ज्यादा लोग रक्तदान करे, रक्तदान महादान है। मौके पर ब्लड बैंक के तकनीशियन प्रकाश कुमार दे, काजल सेन आदि उपस्थित थे।